दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 203 जयपुर, मंगलवार, 02 जुलाई, 2024 | आषाढ़, कृष्ण पक्ष- एकादशी, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

महिला भारतीय टीम ने चेन्नई टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराया

टीम इंडिया दमदार जीत... बेटियों ने लहराया परचम

एजेंसी | चेन्नई

एक ओर जहां पूरा देश टीम इंडिया के टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनने का जश्न मना रहा है, वहीं दूसरी ओर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी फैंस को खुश होने का बड़ा मौका दिया है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चेन्नई में खेला जा रहा एकलौता टेस्ट हरमनप्रीत कौर की टीम ने जीत लिया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को एक तरफा अंदाज में 10 विकेट से मात दी। टीम इंडिया ने पहली पारी में 603 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम पहली पारी में सिर्फ 266 रनों पर ढेर हो गई।

फॉलोऑन खेलने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने दूसरी पारी में अच्छी फाइट दिखाते हुए 373 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए और अंत में टीम इंडिया को 37 रनों का लक्ष्य मिला। इस स्कोर को हासिल करने में टीम इंडिया को कोई दिक्कत पेश नहीं आई।

बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों ने दिखाया दम

टीम इंडिया की इस जीत की स्क्रिप्ट उसके बल्लेबाज और गेंदबाजों ने मिलकर लिखी। पहली पारी में शेफाली वर्मा ने महज 197 गेंदों में 205 रन बनाए और स्मृति मंधाना के बल्ले से भी 149 रन निकले। इसके बाद दूसरी पारी में स्नेह राणा की फिरकी ने साउथ अफ्रीका को झकझोर कर रख दिया। स्नेह राणा ने 77 रन देकर 8 विकेट अपने नाम किए। इन तीन खिलाड़ियों के अलावा जेमिमाह रॉड्रिग्ज ने 66, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 69 और रिचा घोष ने 86 रन बनाकर टीम इंडिया की जीत में अहम योगदान दिया।

टीम इंडिया का दमदार प्रदर्शन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का परचम हर फॉर्मेट में लहरा रहा है। पिछले 9 महीने में इस टीम ने 3 टेस्ट मैच खेले हैं और उसने तीनों ही टेस्ट मैच जीते हैं। अब ये टीम हर बड़ी टीम को टक्कर ही नहीं दे रही बल्कि उसे हरा भी रही है। साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत टीम को टेस्ट हराना एक बड़ी उपलब्धि है। वैसे इस टीम को टीम इंडिया ने वनडे सीरीज में भी 3-0 से मात दी थी।

जरूरी खबर

प्रदेश में घटे कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम

जयपुर । पेट्रोलियम कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतों का रिव्यू करने के बाद एलपीजी की कीमतों में कटौती की है। घरेलू उपयोग वाले उपभोक्ताओं को कीमतों में कमी का कोई फायदा नहीं मिलेगा। इस साल में ये लगातार चौथा महीना है जब कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कमी की है। चार माह के दौरान 150 रुपए तक की कमी की गई है। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक गहलोत के अनुसार कंपनियों ने सोमवार से प्रदेश में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 30 रुपए कम किए हैं।

25 हजार की घूस लेते दो कांस्टेबल अरेस्ट

जोधपुर। शहर के खंडपालसा थाने में कार्यरत दो कांस्टेबलों को एसीबी ने रिश्वत लेते रंग हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों कांस्टेबल थाने की महिला सब इंस्पेक्टर के नाम पर रिश्वत ले रहे थे। एसीबी ने दोनों को 25 हजार की रिश्वत राशि के साथ गिरफ्तार कर लिया। पाली एसीबी के एसपी खेमचंद ने बताया कि खंडपालसा थाने में परिवादी पर आपराधिक मामला चल रहा था और उसकी जांच महिला सब इंस्पेक्टर कर रही थी। इस जांच में सहयोग दिलाने के लिए कांस्टेबल जयमल और नरेंद्र ने परिवादी से 25 हजार की रिश्वत मांगी थी।

मुख्यमंत्री ने नए आपराधिक कानूनों के संबंध में ली उच्च स्तरीय बैठक

प्रदेश के लिए मील का पत्थर होंगे साबित नए कानून: CM

■ नए कानून के तहत प्रदेश के पाली में हुई पहली एफआईआर

■ प्रदेश में लागू हुए तीन नए कानून

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से एक जुलाई से लागू हुए नवीन भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम से संविधान की मूल भावना को बल मिला है और ये नए कानून अपराध मुक्त राजस्थान के निर्माण के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

सीएम सोमवार को नवीन आपराधिक कानूनों को आमजन तक पहुंचाने के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि पुराने कानूनों में केवल सजा का प्रावधान था, लेकिन अब इन नए कानूनों में न्याय पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपराधमुक्त राजस्थान बनाने तथा शीघ्र एवं सुलभ न्याय के लिए ये कानून मील का पत्थर साबित होंगे।

बैठक में सभी 50 जिलों से पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं सीएलजी सदस्य, सुरक्षा सखी, ग्राम रक्षक और पुलिस मित्र तथा आमजन वर्चुअल रूप से जुड़ें। इधर, पाली जिले के सादड़ी थाना में नए भारतीय दंड संहिता के तहत प्रदेश का पहला मामला सोमवार को दर्ज किया गया है। पीड़ित के साथ खेत से ट्रैक्टर निकालने की बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसकी पिटाई की गई।

पीएम मोदी जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि हमें जल्द से जल्द गुलामी की मानसिकता और गुलामी के प्रतीक चिह्नों को समाप्त कर नए आत्मविश्वास से भरे नए भारत की स्थापना करनी है। इसके अनुसरण में उन्होंने आज के समय में अनुपयोगी हो चुके पुराने आपराधिक कानूनों को हटाकर उनके स्थान पर नवीन आपराधिक विधियों को लागू करवाया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जो कहते हैं, वो कर के भी दिखाते हैं। शर्मा ने कहा कि नए कानूनों में पीड़ित को जल्द न्याय उपलब्ध कराने और दोषी के स्थान पर पुनर्वास की भावना को प्रधानता दी गई है। साथ ही, महिलाओं, बच्चों तथा ग्रामीणों के हितों को बढ़ावा देने के प्रावधानों को भी शामिल किया गया है। इन नए आपराधिक कानूनों में लिंग निरपेक्ष शब्दों द्वारा लैंगिक समानता को बढ़ावा तथा मानसिक विमंदितों के प्रति बौद्धिक विकलांगता जैसे शब्दों का उपयोग किया गया है।

नियम समय में न्याय मिलने के प्रावधान शामिल

सीएम के कहा कि नवीन आपराधिक विधि में आपराधिक मामले के महत्वपूर्ण चरणों को नियत समय-सीमा में बांधा गया है। सीएम ने अफसरों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पुलिस थाने पर इन कानूनों की जानकारी के संबंध में डेश बोर्ड लगाया जाए। साथ ही, नवीन आपराधिक विधियों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें। बैठक में बताया गया कि सभी पुलिस कार्मिकों को इन नए कानूनों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 51 हजार से अधिक पुलिस कार्मिक इन नए कानूनों का प्रशिक्षण ले चुके हैं। साथ ही, आमजन को सरलतम शब्दों में जानकारी देने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

हमने ERCP का वादा किया पूरा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान की समृद्धि के बिना देश और प्रदेश समृद्ध नहीं हो सकते। किसानों की आय बढ़ाने के लिए परंपरागत खेती में बदलाव लाना होगा। बदलते हुए जमाने में किसानों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए खेती करनी होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों और कृषि वैज्ञानिकों को उन देशों में भेजेगी जहां पर खेती की उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर खेती की जाती है। वहां से खेती के नए तौर तरीके सीख कर हमारे किसान भाई अपनी उपज बढ़ा सकेंगे।

मुख्यमंत्री सोमवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले के ग्राम भांकरी में संशोधित पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) में विराटनगर क्षेत्र को शामिल करने पर आयोजित आभार एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सरकार बनते ही मात्र 6 महीने के अल्प समय में संकल्प पत्र के 45 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने पानी के नाम पर सिर्फ राजनीति करते हुए ईआरसीपी सहित प्रदेश की प्रमुख पेयजल परियोजनाओं को अटकाने का काम किया।

करौली मंडरायल सड़क मार्ग पर हादसा

बोलेरो-ट्रक की भिड़ंत में नौ की मौत, चार जने घायल

बेधड़क | करौली

जिले में करौली मंडरायल सड़क मार्ग पर सोमवार शाम बोलेरो जीप एवं ट्रक के आपस में टकराने पर दो बच्चों एवं छह महिलाओं सहित नौ लोगों की मौत हो गई तथा अन्य चार घायल हो गए।

जिला पुलिस अधीक्षक ब्रजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के रहने वाले ये लोग कैला देवी दर्शन करने जा रहे थे कि करौली मंडरायल सड़क मार्ग पर डूंडापुरा मोड़ पर उनकी बोलेरो सामने से आ रही ट्रक से टकरा गई। हादसे में आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक की मौत अस्पताल में हुई। घायलों को करौली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से तीन लोगों को जयपुर रेफर किया गया है। हादसे की सूचना पर जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना एवं जिला पुलिस अधीक्षक ब्रजेश ज्योति उपाध्याय सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे।

इस घटना पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दुख व्यक्त किया है, वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी इस घटना पर दुख जताया है।

मिश्र को जन्मदिन की बधाई

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित कई राज्यपाल, मंत्री, सांसद, विधायक एवं विशिष्टजनों ने राज्यपाल कलराज मिश्र को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल कलराज मिश्र को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दी और श्रीनाथजी की छवि भेंटकर एवं शॉल दुपट्टा ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया।

मौसम अपडेट

आईएमडी का राजस्थान समेत देश के 25 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

बेधड़क | जयपुर

मौसम विभाग ने देश के 25 राज्यों में आगामी पांच बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार, झारखंड, दक्षिण और नॉर्थ-ईस्ट के राज्य शामिल हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून अब देश के करीब सभी राज्यों में पहुंच गया है। अगले तीन दिन में यह राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के बाकी बचे हिस्से को भी कवर कर लेगा। प्रदेश में बारिश का दौर सोमवार को भी जारी रहा। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में राज्य में अच्छी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार, सोमवार सुबह से शाम साढ़े पांच बजे तक डूंगरपुर में 3.5 मिलीमीटर तथा पिलानी-माउंट आबू में 2 मिलीमीटर वर्षा हुई, जबकि जयपुर तथा डबोक (उदयपुर) में बूंदाबांदी हुई। सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे खत्म हुए पिछले 24 घंटे में राज्य के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों के कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई।

आज इन जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने मंगलवार को टोंक, जयपुर, अलवर, भरतपुर, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, धौलपुर और उदयपुर में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। यहां येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीकानेर, जैसलमेर को छोड़कर शेष जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। भारी बारिश की गतिविधियों में 3 जुलाई से बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है।

अलवर में झमाझम...सड़कें जलमग्न

अलवर जिले में रुक रुककर हो रही बरसात के बाद नदी नालों में पानी आने लगा हैं। जयसमंद और सिलीसेड बांध के साथ रूपारेल नदी समेत अन्य नदी नालों में पहाड़ों और जंगलों से पानी आ रहा हैं। अलवर शहर में सोमवार सुबह हुई बरसात के बाद अंबेडकर सर्किल, स्कीम नंबर एक, सामान्य और महिला चिकित्सालय के गेट के सामने, बस स्टैंड, स्वर्ग रोड सहित अन्य कई स्थानों पर सड़कें जलमग्न हो गई। वही कंपनी बाग के पार्क, मैदान, महिला पार्क, शिमला आदि में भी पानी भर गया। अलवर शहर में हुई बरसात से सुबह मौसम खुशनुमा हो गया। तापमान में भी गिरावट आ गई।

कई जिलों में कल भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने 3 जुलाई को दौसा, भरतपुर, अलवर, सीकर, झुंझुनूं में भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है। शेष जिलों में (बीकानेर, जैसलमेर को छोड़कर) हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। 3-4-5 जुलाई को भरतपुर, जयपुर, उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में बारिश होने तथा कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताई है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी मेघगर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। इसके बाद 4 से 6 जुलाई के दौरान उत्तर पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के कुछ भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने तथा मानसून के पहुंचने की प्रबल संभावना है।

जरूरी खबर

अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिंदल का स्वागत

चाकसू। अग्रवाल समाज चाकसू की ओर से हेमराज जिंदल कोटा को अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर चाकसू में प्रथम आगमन पर अग्रवाल समाज द्वारा माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। चाकसू अग्रसेन नवयुवक मंडल के अध्यक्ष धर्मेंद्र गर्ग ने बताया कि स्वागत समारोह में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष बाल मुकुंद, मंत्री भागचंद, जुगल किशोर गर्ग, कैलाश गर्ग, राजेंद्र बजाज, रमेश गोयल, नवल बिंदल, अशोक गर्ग, राजेश गर्ग आदि उपस्थित थे।

नए कानून पर सीएम का लाइव कार्यक्रम देखा

चाकसू। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश में पुलिस का वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद कार्यक्रम चाकसू पंचायत समिति परिसर के कॉन्फ्रेस हॉल में हुआ। जहां एलइड़ी स्क्रीन पर सीएम का लाइव कार्यक्रम देखा गया। एसएचओ कैलाश दान ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बताया। इन कानूनों की जानकारी सभी को मिले। इसके लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। पुलिस थाने के आगे नए कानूनों की जानकारी डिस्प्ले किया जाएगा। वीसी में पूर्व पार्षद हाजी मेहराज खान, चौथू माली, समेत चाकसू पुलिस मित्र, सीएलजी सदस्य और मौजूद रहे।

यात्रा से लौटने पर विधायक बैरवा ने किया स्वागत

चाकसू। कोटखावदा निवासी भामाशाह एडवोकेट रामबाबू विजयवर्गीय दंपति को द्वादश ज्योतिर्लिंग व चारधाम की सफल और सुरक्षित यात्रा करने पर क्षेत्रीय विधायक रामावतार बैरवा ने बधाई और शुभकामनाएं दी। विधायक बैरवा के साथ कोटखावदा प्रधान प्रहलाद मीणा, वरिष्ठ भाजपा नेता कृषि मंडी पूर्व चेयरमैन कैलाश शर्मा विजयवर्गीय के निवास पर पहुंचकर सम्मान किया व भगवान श्रीनाथ जी की प्रतिमा भेंट की एवं साफा व शॉल ओढाकर दंपति परिवार का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि भामाशाह रामबाबू विजयवर्गीय ने विषम परिस्थितियो से संघर्ष कर अच्छी ख्याति अर्जित की है। आज टैक्स एडवोकेट के गिने चुने लोगों मे शुमार है।

जयपुर डेयरी के छह नए उत्पादों की लॉन्चिंग पर डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा...

डेयरी क्षेत्र में नवीन तकनीक और उच्च गुणवत्ता का हो इस्तेमाल

बेधड़क । जयपुर

पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने सोमवार को जयपुर सरस डेयरी के 6 नये प्रोडक्ट की लॉन्चिंग की। इस मौके पर मंत्री ने जयपुर डेयरी की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए राज्य के अन्य दुग्ध उत्पादक संघों के विकास पर जोर दिया।

साथ ही जयपुर डेयरी द्वारा चलाई जा रही 'चल प्रयोगशाला' को दूध की गुणवत्ता बनाये रखने को महत्वपूर्ण बताते हुए डेयरी को अतिरिक्त 'चल प्रयोगशाला' और संचालित करने के निर्देश दिए। मंत्री कुमावत ने मुख्यमंत्री की मंशानुसार प्रदेश में उच्च गुणवत्ता का दूध तथा दूध से बनने वाले प्रोडक्ट तथा डेयरी क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण करने को कहा। इस दौरान जयपुर डेयरी द्वारा उरमूल, बीकानेर के गाय के दूध 'थार अमृत' को लॉन्च करते हुए उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को गाय का शुद्ध और पौष्टिक दूध उपलब्ध कराना पुण्य का काम बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गोपालन राज्यमंत्री जवाहर सिंह बैढ़म ने जयपुर डेयरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य की अन्य डेयरियों को यहां की कार्यप्रणाली से सीख लेनी चाहिए। वहीं राज्य की अन्य सहकारी डेयरियों की कार्यप्रणाली का गहन अध्ययन कमेटी के माध्यम कर रिपोर्ट के जरिए अन्य डेयरियों में सुधारात्मक कदम उठाए जावें।

गाय के दूध के साथ घी की भी जल्द लॉन्चिंग

इस अवसर पर पशुपालन एवं गोपालन विभाग के प्रमुख शासन सचिव विकास सीताराम भाले ने कहा कि राजस्थान में डेयरी विकास की अभार सम्भावनाऐं हैं और इन सम्भावनाओं को तलाशने में सहकारी डेयरियों की महत्ती भूमिका है। उन्होंने कहा कि जयपुर डेयरी को गाय के दूध के साथ-साथ उच्च गुणवत्तायुक्त और शुद्ध गाय के घी की भी लॉन्चिंग करनी चाहिए। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रबन्ध संचालक सुषमा अरोड़ा ने जयपुर डेयरी के अधिकारियों/कर्मचारियों की टीम को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में सरस के कुछ और प्रोडक्टस की भी लॉन्चिंग की जाएगी। जिसमें ऊंटनी के दूध से बने बिस्कुट और कैमल मिल्क पाउडर शामिल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरस डेयरी के उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादों का आम उपभोक्ता स्वागत करेंगे।

जयपुर को मिले अमूल डेयरी जैसी स्वायत्तता

जयपुर डेयरी के अध्यक्ष ओम पूनियां ने डेयरी के 50 वर्षों की विकास यात्रा गिनाई। उन्होंने मांग की कि गुजरात की अमूल डेयरी के जैसे जयपुर डेयरी को पूर्ण स्वायत्तता मिले ताकि वह अपने व्यापार से संबंधित निर्णय स्वयं ले सके। जयपुर डेयरी के प्रबन्ध संचालक मनीष फौजदार ने सभी गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

पोदीना छाछ और तड़का छाछ के साथ तीन आईसकीम फ्लेवर लॉन्च

इस अवसर पर जयपुर डेयरी द्वारा छाछ के दो नये फलेवर पोदीना छाछ और तड़का छाछ की लान्चिंग के साथ-साथ आईसक्रीम के तीन नए फ्लेवर वनीला शुगर फ्री, अमेरीकन नटस और स्ट्रोबेरी की लान्चिंग की गई। इसके अलावा बीकानेर की उरमूल डेयरी के गाय के दूध थार अमृत की भी लान्चिंग की गई। एम.डी. फौजदार ने कहा कि आने वाले महीनों में और अधिक प्रोडक्ट लॉन्च किए जायेंगे तथा कैबिनेट मंत्री की मंशा अनुरूप एक अतिरिक्त चल प्रयोगशाला संचालित की जाएगी। 250 एमएल छाछ के दोनों फलेवर 15 रुपए प्रति पैक दी दर से उपलब्ध होंगे जबकि गाय का 500 एमएल दूध 28 रुपए में और 1 लीटर दूध 56 रुपए में उपलब्ध होगा। 90 एमएल पैक में आईसक्रीम के तीनों फलेवर 25 रुपये प्रति पैक की दर से उपलब्ध होगा।

प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने नेता विपक्ष के बयान पर किया पलटवार

राहुल गांधी का हिंदुओं को हिंसक बताना शर्मनाक: जोशी

बेधड़क । जयपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने लोकसभा में राहुल गांधी द्वारा खुद को 24 घंटे हिंदू कहने वालों को हिंसक बताने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा, हिंदुओं को हिंसक बताना शर्मनाक है। वे अपनी राजनैतिक रोटियां सेकने के लिए हिंदू धर्म और हिंदुओं को बदनाम कर रहे हैं।

इस तरह के बयान देना कि "हिंदू हिंसा, झूठ और नफरत फैलाते हैं" पूरी तरह से निंदनीय और गलत है। यह बयान न केवल हिंदू धर्म की बुनियादी शिक्षाओं का अपमान है, बल्कि समाज में अशांति और विभाजन फैलाने का भी एक प्रयास है। जोशी ने कहा "हिंसायाम दूयते या सा हिन्दु" अर्थात् जो अपने मन, वचन, कर्म से हिंसा से दूर रहे वह हिंदू है। मुझे गर्व है कि मैं हिंदू परिवार में जन्मा हूं, हिंदू परम्परा में बड़ा हुआ हूं। मैं हिंदू हूं, हिंसक नही। राहुल गांधी को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस का मतलब हिंदुओं का दमन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस का मतलब ही हिंदुओं का दमन है। जिन्हें आज तक आतंकवादियों का धर्म समझ में नहीं आया। आज उन्हें करोड़ो हिन्दू हिंसा करने वाले नजर आ रहें है। उन्होंने कहा हिंदू धर्म की जड़ें अहिंसा, सहिष्णुता, और सभी जीवों के प्रति करुणा में निहित हैं। यह धर्म सदियों से सह-अस्तित्व और विविधता को बढ़ावा देता रहा है। ऐसे में, किसी व्यक्ति या समूह द्वारा इस प्रकार के झूठे और भड़काऊ बयान देने से पूरे समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अनुचित है, बल्कि आक्रोश पैदा करने वाला है।

BJP प्रत्याशियों की जीत पर बधाई

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने जिला परिषद, पंचायत समिति और निकाय उप चुनाव में जीते सभी भाजपा प्रत्याशियों को बधाई दी और कहा कि जिला परिषद के चार वार्डों में से भाजपा तीन पर विजयी हुई है, कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर जनता ने नकार दिया है। पंचायती समिति के 6 वार्डों में भाजपा ने जीत दर्ज की है। स्थानीय निकाय के 11 वार्डों में से 7 वार्डों में भाजपा की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने एक बार फिर भाजपा प्रत्याशियों को अपना आशीर्वाद दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा की डबल इंजन सरकार में हुए जनहित और विकास के कार्यो पर जनता को भरोसा है। भाजपा वादे और नारे नहीं देती धरातल पर काम करती है, इसी का परिणाम है कि डबल इंजन की सरकार ने कुछ महिनों में ही जनहित में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए है।

मुख्यमंत्री निवास पर भाजपा विधायक दल की बैठक आज

विपक्ष के पास सदन में चर्चा के लिए नहीं है कोई मुद्दा

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही 3 जुलाई से चलेगी। वहीं मुख्यमंत्री निवास पर मंगलवार को विधायक दल की बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की जनता से जुड़ा हुआ बजट पेश किया जाएगा। वहीं विपक्ष के द्वारा लगाए गए सवालों के जवाब भी कैबिनेट के मंत्रियों द्वारा तैयार करवाए गए है। भाजपा की सरकार बनने के बाद सदन में पिछली विधानसभा के लंबित सवालों के जवाब भी 3 माह के दौरान पेश करने के लिए पाबंद किया गया है। ऐसे में वर्तमान में सदन में लगाए गए सभी सवालों को जवाब समय पर लगाए जाएंगे।

गोठवाल ने कांग्रेस पर बोला हमला

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विपक्ष द्वारा सदन की कार्यवाही नहीं चलने के बयान जारी कर रहे है। ऐसे में उनके बयान से यह प्रतीत होता है कि उनके पास सदन में चर्चा के लिए कोई विषय नहीं है। विपक्ष लोकतंत्र के मंदिर में इस संकीर्ण सोच के साथ जाएगा तो जनता से जुड़े मुद्दे गौण हो जाएंगे। भाजपा जनता के मुद्दों पर बहस करने के लिए सदैव तैयार है। कांग्रेसी नेता भूल गए कि उनकी सरकार के कार्यकाल में पेपरलीक कर प्रदेश के 70 लाख युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड किया गया। महिलाओं पर अत्याचार के मामले में प्रदेश को देश में पहले नंबर पर पहुंचा दिया। किसानों के साथ संपूर्ण कर्ज माफी का वादा कर उनकी जमीने नीलाम करने का काम किया। वहीं दूसरी ओर भजनलाल सरकार ने सत्ता में आते ही पेपरलीक माफियाओं पर नकेल कसने के लिए एसआईटी का गठन किया और 100 से अधिक पेपर माफियाओं को सलाखों के पीछे पहुंचाया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने की नितिन गडकरी से भेंट

नई दिल्ली। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी.जोशी ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की एवं उनको मोदी सरकार में तीसरी बार सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री का दायित्व प्रदान किये जाने पर बधाई एवं शुभकामनाऐं दी। संसदीय क्षेत्र चित्तौड़गढ़ से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने गडकरी को संसदीय क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में विगत वर्षों में राजमार्गों को लेकर दी गई सौगातों के संबध में आभार व्यक्त करते हुये संसदीय क्षेत्र में वर्तमान में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के बारे में चर्चा की तथा संसदीय क्षेत्र के लिये आवश्यक केन्द्रीय अवसरंचना निधि की सड़क, अण्डरपास एवं ऑवरब्रिज व सर्विस रोड़ व स्लीप लेन के निर्माण आदी के बारे में भी अवगत करवाया, जिस पर केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने सकारात्मक कार्य क्रियान्ययन के लिये अधिकारीयों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

प्रदेश के विकास कार्यों पर हुई चर्चा

CM से वर्ल्ड बैंक प्रतिनिधि मंडल ने की मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि मंडल सदस्यों के साथ प्रदेश में सड़क, जल, बिजली, नगरीय विकास और परिवहन क्षेत्र के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान प्रदेश के विकास में वर्ल्ड बैंक की भूमिका को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

शर्मा ने प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के साथ राज्य में चल रही परियोजनाओं एवं विभिन्न सेक्टर में किए जा रहे विकास कार्यों सहित भविष्य के विजन की जानकारी साझा की। इस 6 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में भावना भाटिया, अर्नब बंद्योपाध्याय, रीनू अनेजा, तुषार अरोड़ा, राजगोपाल और हर्ष शामिल थे।

उप मुख्यमंत्री बैरवा ने ली बैठक

जनहित आधारित हो नए जिलों का पुनर्गठन

बेधड़क । जयपुर

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय बने नए जिलों के पुनर्गठन को लेकर बनी उच्च स्तरीय समिति की उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बैठक ली। उन्होंने उच्च स्तरीय विशेषज्ञ कमेटी को 15 दिन में अपनी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि जिलों का पुनर्गठन राजनीतिक नहीं बल्कि जनहित आधारित हो। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने निर्देश दिए कि नए जिलों के पुनर्गठन के लिए गठित उच्च स्तरीय विशेषज्ञ कमेटी 15 दिन के भीतर नए जिलों के गठन से संबंधित सभी व्यवहारिक बिंदुओं पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने सोमवार को सचिवालय में राजस्व विभाग के साथ नए जिलों के पुनर्गठन को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राजस्व विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिए कि नए जिलों के पुनर्गठन की प्रक्रिया आमजन की सुविधा को ध्यान में रखकर की जाए। आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता, भौगालिक स्थिति, जनसंख्या आदि की मॉनिटरिंग के आधार पर यह प्रक्रिया पूरी की जाए। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, राजस्व मंत्री हेमन्त मीना, राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। वहीं उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने कहा कि संकल्प पत्र में से 38 बिन्दुओ की पूर्ण क्रियान्विति की जा चुकी है। शेष बचे सभी वादों को संकल्प से सिद्धी तक पहुंचाने के लिए सभी विभागों की सक्रिय भूमिका अपेक्षित है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द सोमवार को शासन सचिवालय स्थित सभागार में संकल्प पत्र के 9 थीम पर आधारित 343 बिन्दुओं की क्रियान्विति के लिए इनसे संबंधित 47 विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं शासन सचिवों के साथ बैठक की।

3 गुना अभ्यर्थी टाइपिंग टेस्ट के लिए शॉर्टलिस्ट भी

RSSB: बेरोजगारों के खिले चेहरे, सूचना सहायक का परिणाम हुआ जारी

बेधड़क । जयपुर

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने सोमवार को बेरोजगारों की उम्मीद पूरी करते हुए विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के अंक जारी करने के साथ ही बहुप्रतीक्षित सूचना सहायक सीधी भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी करते हुए टाइपिंग टेस्ट के लिए लगभग तीन गुणा अभ्यर्थियों को शॉर्ट लिस्ट कर दिया।

परिणाम और मार्क्स जारी होने से बेरोजगारों के चेहरों पर खुशियां छा गई। चयन होने पर दोस्तों-रिश्तेदारों में मिठाई बांटी गई। बोर्ड ने एएनएम, जीएनएम, एग्रीकल्चर सुपरवाइजर, सीएचओ, जेआरए और टीआरए के मार्क्स जारी किए हैं। दरअसल बीते दिनों राज्य सरकार ने प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के लिए सूचना सहायक के पदों में बढ़ोतरी की थी। पहले सूचना सहायक के 2730 पदों पर भर्ती परीक्षा आयोजित कराई गई थी और इसमें 685 नए पदों को शामिल करते हुए अब 3415 पदों के लिए परिणाम जारी किया गया है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने गैर अनुसूचित क्षेत्र के 3062 और अनुसूचित क्षेत्र के 353 कुल 3415 पदों की तुलना में तीन गुणा अभ्यर्थियों को परीक्षा के अगले चरण टाइपिंग टेस्ट के लिए सूचीबद्ध किया है। बोर्ड ने शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों के कट ऑफ मार्क्स और सब्जेक्ट वाइज डिलीट किए गए प्रश्नों की सूची अपनी ऑफिशल वेबसाइट पर जारी की है।

ये रही कटऑफ

सूचना सहायक भर्ती परीक्षा में जनरल की कट ऑफ मार्क्स 73.20, ईडब्ल्यूएस के 67.83, एससी के 64.33, एसटी के 58.04, ओबीसी के 72.02 और एमबीसी के 62.23 रहे हैं।

इन को किया अयोग्य घोषित

बोर्ड ने परिणाम में ये भी स्पष्ट किया है कि 10% से ज्यादा प्रश्नों में किसी भी विकल्प को अभ्यर्थियों की ओर से गहरा (dark) नहीं करने के कारण 499 अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित किया गया है। वहीं, मास्टर प्रश्न पत्र के प्रश्न संख्या 50 के संबंध में की गई आपत्तियों के साथ संलग्न किए गए साक्ष्य में ओरिजिनल टेक्स्ट के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में 643 अभ्यर्थियों में से नोटिस का जवाब नहीं देने वाले 41 अभ्यर्थियों का भी परिणाम रोका गया है।

जूनियर अकाउंटेंट भर्ती परीक्षा के परिणाम की होगी समीक्षा

इससे पहले सोमवार को जूनियर अकाउंटेंट भर्ती परीक्षा के परिणाम में रही गलतियों को लेकर भर्ती परीक्षा में 23 प्रश्न डिलीट करने, स्पोर्ट्स कैटेगरी, एक्स सर्विसमैन कैटेगरी के परिणाम में गलतियों का आरोप लगाते हुए राजस्थान युवाशक्ति एकीकृत महासंघ ने विरोध दर्ज कराया। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मीणा ने बताया कि सैकड़ों छात्रों ने कर्मचारी चयन बोर्ड की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। साथ ही पेपर बनाने वाली एजेंसी पर पैनाल्टी लगाते हुए इसे ब्लैक लिस्ट करने की मांग की है। इस पर कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल के पांच अभ्यर्थियों से वार्ता करते हुए परिणाम की दोबारा समीक्षा करने का आश्वासन दिया है।

जरूरी खबर

आचार्य विवेक शास्त्री जापान प्रवास पर

जयपुर। श्री जगन्नाथ ज्योतिष एवं गो सेवा समिति के संस्थापक ज्योतिष एवं वास्तुविद आचार्य विवेक शास्त्री जापान प्रवास पर हैं। अपने सप्तदिवसीय प्रवास में जापान के टोक्यो शहर में भारतीय वास्तुकला एवं फलित ज्योतिष का ज्ञान देंगे। आचार्य जापान में भवन निर्माण में शिलान्यास, वास्तु अंग देवता स्थापना, पूजन कर्म, हवनकर्म का महत्व एवं जन्मपत्री के अनुसार किन दिशाओं एवं किन मुहूर्तों में भवन निर्माण करना चाहिए की जानकारी देंगे। विवेक शास्त्री टोक्यो में सात जुलाई रविवार पुष्य नक्षत्र के दिन भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के अवसर पर अपने शिष्यों के साथ विशेष पूजा अर्चना करेंगे।

सहायक प्रोफेसर सुमंत कौशिक को PHD

जयपुर। ऑरो विश्वविद्यालय, सूरत के सहायक प्रोफेसर सुमंत कौशिक को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्हें ये उपाधि 'परफॉर्मेंस ऑफ ब्रिक्स नेशंस इन इंटरनेशनल ट्रेड सिन्स 2008' विषय पर शोध के लिए दी गई। कौशिक ने गवर्नमेंट मीरा गर्ल्स कॉलेज, उदयपुर की प्रिंसिपल रहीं डॉ.(प्रोफेसर) शशी सांचिहर के निर्देशन में यह शोध कार्य पूरा किया।

सतर्कता शाखा ने हटाए अस्थाई अतिक्रमण

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम की सतर्कता शाखा ने सोमवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच ट्रक सामान जब्त कर 10 हजार रुपए का चालान किया। सतर्कता उपायुक्त पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सतर्कता शाखा के दस्ते ने कार्रवाई करते हुए बड़ी चौपड़, रामगंज, घाटगेट बाजार, चांदपोल, संजय सर्किल, स्टेशन रोड, पोलो विक्ट्री, खासा कोठी, कांति नगर से अस्थाई अतिक्रमण हटाया। इस दौरान राजस्व निरीक्षक बेद्यनाथ कौशिक के नेतृत्व में दस्ते ने पांच ट्रक सामान जब्त किया और 10 हजार रुपए का चालान काटा

ब्रह्माकुमारीज संस्थान वैशाली नगर का योग समागम कार्यक्रम

शहर, समाज की स्वच्छता के लिए रोज योगदान का संकल्प

बेधड़क | जयपुर

ब्रह्माकुमारीज की वार्षिक थीम 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वस्थ समाज' के तहत योग समागम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी ने स्वयं के साथ परिवार, शहर, समाज की स्वच्छता, शुद्धता एवं पवित्रता के लिए प्रतिदिन योगदान देने का संकल्प लिया।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान वैशाली नगर की ओर से आयुष मंत्रालय भारत सरकार और जयपुर नगर निगम ग्रेटर के सहयोग से आयोजित योग समागम में मुख्य अतिथि गलता पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज रहे। उन्होंने कहा कि योग साधक में समता और समत्व का भाव पैदा करता है। योग की जो भी विधाएं प्रचलित है उसके मूल में यही बात रहनी चाहिए की शरीर को स्वस्थ रखते हुए हम भगवान की कृपा के अधिकारी कैसे बने? भगवान का आश्रय ही मुक्ति का एकमात्र रास्ता है।

राजयोग ध्यान का अभ्यास करवाया

ब्रह्माकुमारीज माउण्ट आबू मुख्य प्रबन्धन समिति की कार्यकारिणी सदस्य और जयपुर सबजोन प्रभारी राजयोगिनी बीके सुषमा दीदी ने राजयोग ध्यान का अभ्यास भी करवाया। ब्रह्माकुमारीज वैशाली नगर केंद्र प्रभारी चंद्रकला दीदी ने बताया कि जयपुर योग समागम 2024 के संयोजक योगी मनीष विजयवर्गीय ने स्वागत उद्बोधन दिया। ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा योग के क्षेत्र में कार्य कर रही 51 संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

मानसून में वृक्षारोपण की प्रेरणा दी

पर्यावरण संरक्षण मोर्चा के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र भूटानी ने सम्मानित संस्थाओं को हरियाला पौधा भेंट कर मानसून में वृक्षारोपण की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पतंजली के प्रदेश संरक्षक महेंद्र यादव, गलता पीठ के युबराज स्वामी राघवेन्द्र महाराज, अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री गोपाल गुप्ता, आर्ट ऑफ लीविंग के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कालानी, दिव्य ज्योति संस्थान की साध्वी लोकेश भारती, पार्षद प्रवीन यादव, पार्षद राजू अग्रवाल, पार्षद कपिल धाबाई सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत मां के नाम एक वृक्ष लगाने का आह्वान

जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्य गुर्जर ने भारत मां के नाम एक वृक्ष लगाने का आह्वान किया। मेघसिंह चौहान, संयोजक, राजस्थान प्रदेश क्रीड़ा भारती ने अभ्यास व वैराग्य पर प्रकाश डाला। योगाचार्य ढाकाराम, संस्थापक योगापीस संस्थान ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास है। डॉ. रामसेवक दुबे, कुलपति जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विवि ने शरीर और मन की साधना के संतुलन पर जोर दिया।

स्वप्रेरित प्रसंज्ञान: मिलावट पर कार्रवाई की हर माह देनी होगी रिपोर्ट

HC ने कहा- 70 फीसदी दूध में पानी, डिटर्जेंट की भी मिलावट

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाईकोर्ट ने मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंढ ने मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए इसे वैश्विक समस्या बताया हैं।

अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि सरकारें मिलावट के मुद्दे को गंभीरता से ले, जिससे वर्तमान की रक्षा और भविष्य की सुरक्षा हो सके। वहीं लोगों के जीवन को बचाया जा सके। अदालत ने खाद्य पदार्थों में मिलावट पर गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, कृषि मंत्रालय, राज्य के मुख्य सचिव, एसीएस गृह, एसीएस खाद्य सुरक्षा और एसीएस स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य से जवाब मांगा हैं।

अभियान त्यौहार और शादी सीजन तक सीमित नहीं रखें: कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार शुद्ध के लिए युद्ध अभियान को केवल त्यौहार या शादी सीजन तक ही सीमित नहीं रखे बल्कि नियमित तौर पर इसे चलाए। अदालत ने कहा कि लोग आज अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में हमें यह पता लगाने के लिए कम समय मिलता है कि हम जो भी खा रहे हैं वह हमारे लिए सुरक्षित है या नहीं। अदालत ने निर्देश दिया कि संबंधित अधिकारी खाद्य पदार्थों में मिलावट के लिए नियमित सैंपल लें और महीने के अंत में रिपोर्ट पेश कर बताएं कि उन्होंने इसे रोकने के लिए क्या कार्रवाई की। अदालत ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट से कैंसर व अन्य जानलेवा बीमारियां हो रही हैं।

20 फीसदी खाद्य पदार्थ मिलावटी

अदालत ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय के रिकॉर्ड के अनुसार 20 फीसदी खाद्य पदार्थ मिलावटी या तय मानक स्तर के नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सर्वे के अनुसार 70 फीसदी दूध में पानी मिला होता है। वहीं, सर्वे में सामने आया है कि दूध में डिटर्जेंट भी मिलाया जाता है। अदालत ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2006 समस्या का पूरी तरह समाधान नहीं करता हैं। वहीं, सैंपल जांचने के लिए लैब्स की भी कमी है। आधुनिक तकनीकें नहीं होने के चलते खाद्य अधिकारी भी मिलावट पर पूरी तरह से निगरानी नहीं रख पाते हैं।

सीएस की अध्यक्षता में बनाएं राज्य स्तरीय कमेटी

अदालत ने मिलावट को रोकने व इस पर निगरानी के लिए सीएस की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कमेटी बनाने के लिए कहा है। इसके अलावा जिला स्तर पर भी संबंधित कलेक्टरों की अध्यक्षता में कमेटी बनाने का निर्देश दिया है। वहीं, जोधपुर व जयपुर के सभी वरिष्ठ अधिवक्ताओं, बार कौंसिल अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष सहित अन्य वकीलों को कहा है कि वे इस संबंध में अदालत को सहयोग करें। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा है कि केन्द्र व राज्य सरकार वेबसाइट बनाए, जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारियों, जिम्मेदार अफसरों के संपर्क नंबर और टोल फ्री नंबर जारी करे।

जयपुर पुलिस की पहली BNS FIR

बस ने तीन कारों को टक्कर मारी,एक टी स्टाल में घुसी

बेधड़क | जयपुर

एक रोडवेज बस ने सोमवार दोपहर तीन कारों को एक के बाद एक टक्कर मारी। इनमें से एक कार टी स्टाल में घुस गई। जवाहर नगर थाना इलाके में बर्फ खाना चौराहे के पास हुई इस घटना के दौरान आधे घंटे तक जाम लगा रहा। बस ड्राइवर मुकेश से लोगों ने हाथापाई की।

जानकारी मिलने पर दुर्घटना थाना ईस्ट से एएसआई ईश्वर सिंह मौके पर पहुंचे और वाहनों को मुख्य सड़क से हटा कर मुख्य मार्ग को दोबारा सुचारु कराया। वहीं, कार मालिकों की ओर से जवाहर नगर थाने में बस चालक के खिलाफ शिकायत दी गई। जवाहर नगर थाना पुलिस ने इस दुर्घटना को लेकर पहली बीएनएस एफआईआर दर्ज की। रोडवेज बस ड्राइवर ने बताया कि बर्फ खाना चौराहे से पहले बस से एक कार टकराई थी। कार चालक चौराहे पर आया और बस रुकवाई।

इस दौरान रोडवेज बस चालक और कार चालक में बहस हो गई थी। इस पर मौके पर मौजूद कॉन्स्टेबल ने बस और कार ड्राइवर को 100 मीटर आगे जाकर बात करने के लिए कहा, क्योंकि मौके पर बस रुकने से जाम लग गया था। इस दौरान बस चालक बस में बैठा और बस चलाने लगा। चालक का कहना है कि बस के ब्रेक फेल हो गए थे, जिससे बस कंट्रोल में नहीं थी। इस दुर्घटना में किसी को चोट नहीं लगी है।

नगर निगम हेरिटेज की कार्रवाई

46 हजार रुपए कैरिंग चार्ज वसूला

बेधड़क | जयपुर

हेरिटेज नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 46200 रुपए का कैरिंग चार्ज वसूला।

इस सबंध में उपायुक्त स्वास्थ्य सोहन सिंह नरूका ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक रखने वाले और गंदगी करने वालों के खिलाफ शाखा लगातार कार्रवाई कर रही है, जिसमें सीएसआई ने 13400 रुपए, एसआई 5600 रुपए, चालान प्रकोष्ठ ने 10000 रुपए और वॉच राइडर ने 17200 रुपए और 60 किलो प्लास्टिक भी जब्त की है। उपायुक्त नरूका ने बताया कि प्लास्टिक प्रकृति और मानव के लिए हानिकारक है। आमजन को इसके बजाए कपड़े या जूट का बैग उपयोग में लेना चाहिए। प्लास्टिक के कई हानिकारक दुष्प्रभाव हैं।

SMS हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल-अधीक्षक बनने के लिए होड़

न्यूरो-यूरो HOD की प्रिंसिपल पर दावेदारी, ट्रोमा इमरजेंसी इंचार्ज ने दोनों पदों पर किया आवेदन

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के सबसे बड़े सरकारी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल सवाई मानसिंह में प्रिंसिपल और अधीक्षक पद के लिए होड़ लगी है। अब तक प्रिंसिपल के लिए 12 सीनियर डॉक्टरों ने आवेदन किए हैं, जबकि अधीक्षक पद के लिए 5 से ज्यादा डॉक्टरों ने आवेदन किए हैं। इनके अलावा मेडिकल कॉलेज से अटैच हॉस्पिटल जेके लोन, कावंटिया, गणगौरी, बनीपार्क सेटेलाइट और सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एसएमएस के लिए भी एक-एक और दो-दो आवेदन आए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इसमें कई सीनियर प्रोफेसर और एचओडी ने प्रिंसिपल के साथ अधीक्षक पद के लिए भी आवेदन किया है।

सूत्रों के मुताबिक न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट की सीनियर प्रोफेसर और एचओडी डॉ. भावना शर्मा ने सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के अधीक्षक पद के साथ ही प्रिंसिपल पद पर भी इंटरव्यू के लिए आवेदन किया है। इनके साथ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग धाकड़ ने भी दोनों पदों के लिए आवेदन किया है। धाकड़ वर्तमान में ट्रोमा सेंटर के इंचार्ज है। प्रिंसिपल पद के लिए यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. शिवम प्रियदर्शी, नेफ्रोलॉजी डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर डॉ. विनय मल्होत्रा, मौजूदा कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी, इमरजेंसी में इंचार्ज डॉ. बीपी मीणा ने भी प्रिंसिपल पद के लिए आवेदन किया है। इनमें मीणा और मल्होत्रा ने तो दोनों पदों (प्रिसिंपल और अधीक्षक) पद के लिए आवेदन किया है। इधर, अटैच हॉस्पिटल जैसे गणगौरी, सैटलाइट बनीपार्क, कावंटियां हॉस्पिटल में अधीक्षक पद के लिए ज्यादा डॉक्टरों ने आवेदन नहीं किया है। इन हॉस्पिटलों में अधीक्षक पद के लिए एक-एक ही आवेदन आए है।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन

अक्षम लोगों को आगे बढ़ाने के लिए लघु उद्योग व्यवस्था का प्रस्ताव

बेधड़क | जयपुर

भट्टारक जी की नसियां के तोतूका सभागार में श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। कार्यक्रम में जैन महासभा, राजस्थान अंचल के अध्यक्ष कमल बाबू जैन एवं कार्यकारिणी के संयोजन में सर्व प्रथम महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज गंगवाल की अगुवाई में सभी पदाधिकारियों के द्वारा झंडारोहण किया गया। सभी केंद्रीय पदाधिकारियों ने चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया। पंडित रमेश कुमार गंगवाल ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया तथा महासभा राजस्थान के अध्यक्ष कमल बाबू जैन ने महासभा की गतिविधियों की जानकारी दी। महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. निर्मल कुमार के द्वारा किए गए कार्यों के लिए उनको याद किया गया।

सात सौ मंदिरों का करवाया जीर्णोद्धार

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज गंगवाल ने कहा कि जैन समाज के असहाय वर्गो को लाभान्वित करने के लिए हम कृत संकल्प हैं। महामंत्री प्रकाश बड़जात्या ने बताया कि इसमें धन की कमी आड़े नहीं आएगी। आज के एजेंडे में मुख्य रूप से अक्षम लोगों को आगे बढ़ाना, उनके सर्वांगीण विकास हेतु लघु उद्योग व्यवस्था चालू करने का प्रस्ताव किया। कार्याध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया ने युवाओं को एकजुट होने की आवश्यकता पर जोर दिया। धर्मचंद पहाड़िया ने जानकारी दी कि महासभा के द्वारा संपूर्ण भारत वर्ष में करीब 700 मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया गया है तथा राजस्थान में सबसे ज्यादा 150 मंदिरों का जीर्णोद्धार किया गया है। अन्य सभी वक्ताओं ने धर्म एवं अंततोगत्वा देश की समृद्धि एवम आध्यात्मिक सहित सम्पूर्ण विकास पर जोर दिया।

सहयोगियों का किया सम्मान

कार्यक्रम में एनके जैन महामंत्री तीर्थ संरक्षिणी, महामंत्री सुरेंद्र कुमार बडजात्या उगरियावास वाले, राजेंद्र शाह उदयपुर, सुभाष पाटनी, सुंदर लाल डागरिया, महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विकेश मेहता बांसवाड़ा, दिल्ली से डाक्टर निर्मल जैन, सुमित जैन, विकास जैन, अशोक चूड़ीवाल गुवाहाटी, ज्ञानचंद जैन रायपुर, कैलाश रारा छत्तीसगढ़, विशिष्ट अतिथि सीपी जैन पहाड़िया, शिखर चंद कासलीवाल, स्थानीय संस्थाओं के पदाधिकारी एनके जैन पूर्व न्यायाधीश एनके सेठी, श्री महावीर जी अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, अन्तरराष्ट्रीय रत्न व्यवसायी विवेक काला, उमरावमल संघी, प्रेमचंद छाबड़ा, प्रसिद्ध वास्तुकार राजकुमार कोठ्यारी, ताराचंद जैन स्वीट कैटरर्स, अशोक जैन अनोपडा बोंली, राकेश गोदिका, शैलेन्द्र गोधा, मनीष वैद, शेखर पाटनी, राजाबाबू गोधा फागी, प्रदीप जैन लाला, विनोद जैन कोटखावदा, उदयभान जैन, महामंत्री राजेंद्र बिलाला, भागचंद बाकलीवाल, वीरेंद्र जैन, विनीत जैन चांदवाड़, कमल चंद जैन सेवा, सुरेश बज, महेंद्र बैराठी, तथा पदम बिलाला, टीकमचंद पाटनी, सुरेंद्र जैन एडवोकेट अजमेर तथा राजीव लाखना, रश्मि कोठ्यारी, विनिता जैन आदि ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में स्थानीय महासभा के सभी सहयोगियों का सम्मान किया गया। महासभा के राजेंद्र बिलाला ने मंच संचालन किया तथा कमल बाबू जैन ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

जरूरी खबर

जग्गू भगवानपुरिया गैंग का बदमाश गिरफ्तार

दौसा। जिले की मेहंदीपुर थाना पुलिस की टीम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के एक बदमाश जशनप्रीत सिंह निवासी गुरू की बडाली अमृतसर पंजाब को गिरफ्तार किया है। आरोपी से हथियारों की खेप, चार अवैध पिस्टल, 6 मैगजीन एवं 18 कारतूस बरामद किये हैं। एसपी रंजीता शर्मा ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं सक्रिय बदमाशों की धरपकड़ के लिए अभियान के अंतर्गत रविवार को गिरोह के एक बदमाश को पकड़ा गया।

शेखावाटी विवि का दीक्षांत समारोह 4 जुलाई को

सीकर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर का 4 जुलाई को चतुर्थ दीक्षांत समारोह दोपहर 12.15 बजे आयोजित किया जायेगा। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के राज्यपाल तथा विश्व विद्यालय के कुलाधिपति कलराज मिश्र द्वारा की जायेगी। कार्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा एवं तकनीकी मंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा मुख्य अतिथि होंगे। कुल सचिव ने बताया कि कार्यक्रम से जुड़ी जानकारियों के संबंध में मंगलवार दोपहर 12.15 बजे कुलपति सचिवालय में प्रेसवार्ता आयोजित की जाएगी।

टॉप टेन और 5 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़। जिले की दांगीपुरा थाना पुलिस की टीम ने करीब 2 महीने पहले फाइनेंस कंपनी के ब्रांच मैनेजर से गन पॉइंट पर एक लाख नगद, टैबलेट व मोबाइल लूट की घटना के फरार आरोपी बद्री तंवर पुत्र कंवरलाल (23) निवासी रीराका पूरा गुना मध्य प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि 7 मई को दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने सेटिंग क्रेडिट केपर नेटवर्क लिमिटेड अकलेरा के ब्रांच मैनेजर नरेश कुमार को देशी कट्टा दिखाकर कलेक्शन के एक लाख रुपये नगद, एक टैबलेट व मोबाइल लूट कर भाग गए। मामले में थाना पुलिस द्वारा पूर्व में छह आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद सातवे आरोपी बद्री तंवर को गिरफ्तार किया है।

जिला सहकारी विकास समिति की बैठक में दिए जिला कलेक्टर ने निर्देश

खाद-बीज की दुकानों से हर दिन लें 10 सैम्पल: कलेक्टर

बेधड़क | सीकर

देश में सहकारिता आन्दोलन को मजबूत करने और जमीनी स्तर तक इसकी पहुंच को गहरा करने की योजना के क्रियान्वयन के लिए जिले में गठित जिला सहकारी विकास समिति (डीसीडीसी) की तृतीया बैठक का आयोजन जिला कलेक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को किया गया।

जिला कलेक्टर चौधरी ने कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक को जिले में विभागीय अधिकारियों की टीम गठित कर अभियान चलाकर खाद-बीज की दुकानों पर प्रतिदिन 10 सैम्पल लेने के साथ ही अभियान के दौरान प्रत्येक अधिकारी को 5-5 सैम्पल लेने का लक्ष्य आवंटित करने के निर्देश दिए।

बैठक में ये रहे उपस्थित

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रणजीत सिंह गौदारा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर हेमराज परिडवाल, संयुक्त निदेशक कृषि विभाग, रामनिवास पालिवाल, प्रबन्ध निदेशक सीकर केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड, प्रबन्ध संचालक सीकर एवं झुन्झुनूं जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. पलसाना, डीडीएम-नार्बाड आदि सदस्य उपस्थित रहे।

पायलट प्रोजेक्ट पर सहकारी समितियों में कंप्यूटरीकरण कार्य जारी

उप रजिस्ट्रार सहकारी समिति महेन्द्रपाल सिंह ने बताया कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समितियां बनाने के लिए आदर्श उपनियमों को अंगीकार किये जाने पर विचार-विमर्श किया गया एवं जिले की शत-प्रतिशत सहकारी समितियों ने आदर्श उपनियमों को अंगीकार कर लिया गया है। ग्राम सेवा सहकारी समितियों के सशक्तिकरण के लिए उनका कंप्यूटरीकरण करने का कार्य पायलेट प्रोजेक्ट पर जारी है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में बहुउदेशीय पैक्स को स्थापित करना जिसका कार्य भी अनवृत गति से जारी है। विभाग से स्वीकृति प्राप्त पैक्स का पंजीयन शीघ्र करवाना एवं सर्वे रिपोर्ट विहिन पैक्सों की सर्वे रिपोर्ट आगामी 2 माहा में आवश्यक रुप से प्राप्त करना।

सहकारिता के प्रसार के लिए कई बिंदुओं पर हुई व्यापक चर्चा: उप रजिस्ट्रार

उपरजिस्ट्रार ने बताया कि विश्व की सबसे बडी विकेन्द्रीकरण अन्न भंडारण योजना का क्रियान्वयन करना, ई-सेवा की बेहतर पहुंच के लिए कॉमन सेवा केन्द्र के रुप में विकसित करना, पैक्स के द्वारा नये किसान उत्पादक संगठन का गठन करना, ग्राम सेवा सहकारी समितियों में एल.पी.सी. डिस्ट्रीब्यूर्टशिप आवंटित करवाना, पैक्स द्वारा संचालित बल्क कंजूमर पेट्रोल पंप को रिटेल आउटलेट में बदलने की अनुमति प्राप्त करना, ग्रामीण स्तर पर जैनरिक दवाओं की पहुंच के लिए जन औषधी केन्द्र के रुप में पैक्स को विकसित करना, उर्वरक वितरण केन्द्र के रुप में पैक्स को विकसित करना, पैक्स स्तर पर योजनाओं का अभिशरण करना, अरबन को-ऑपरेटिव बैंक के व्यवसाय को गति देना, सहकारी बैंकों को आधुनिक आधार सक्षम भुगतान प्रणाली पर ऑनबोर्डिंग करना, नया राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस तैयार करना, जैम पोर्टल पर सहकारी समितियों को बतौर क्रेता के रुप में शामिल करने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर व्यापक रुप से चर्चा की गई।

नागौर में ट्रेलर ने कार और धौलपुर में ट्रैक्टर ने बाईक को मारी टक्कर

सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत, एक गंभीर घायल

बेधड़क । नागौर

ट्रेलर ने एक कार को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में ट्रेलर कार को करीब 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। हादसे में कार चकनाचूर हो गई। वहीं कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना जिले के कुचेरा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर बुटाटी में घटी। हादसे के बाद कुचेरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारू करवाया और शवों को कुचेरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। ट्रेलर और कार की आमने-सामने सीधी टक्कर में कार चकनाचूर हो गई।

घटना का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

कुचेरा थाना अधिकारी ने बताया कि इस सड़क हादसे का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पेट्रोल पंप के कैमरे में कैद हुई हादसे की तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि ट्रेलर और कार दोनों ही तेज रफ्तार में थे। टक्कर के बाद ट्रेलर 100 मीटर तक कार को घसीटकर ले गया। दोनों मृतक कुचेरा क्षेत्र के ही जारोड़ा गांव के निवासी थे। हादसा होते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने दोनों को निकालने के प्रयास शुरू किए। काफी मशक्कत कर दोनों शवों को कार से बाहर निकाला गया।

गमी में जा रहे बाइक सवार को मारी टक्कर, दादी की मौत

धौलपुर। जिले के एनएच 11बी पर निभी के ताल के नजदीक सोमवार को गमी में शामिल होने जा रहे बाइक सवार दादी-पोते को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस की मदद से दोनों को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर वृद्धा को मृत घोषित कर दिया है। फिलहाल, पोते का इलाज चल रहा है। वहीं, हादसे के बाद से ट्रैक्टर चालक फरार है।

पुलिस जांच में जुटी

थाना प्रभारी रामनरेश मीणा ने बताया कि आरोपी की पुलिस तलाश कर रही है। मुकदमा दर्ज कर मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बुजुर्ग महिला की डेड बॉडी का परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। दुर्घटना के कारणों की पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक बसेड़ी थाना क्षेत्र के भारली गांव निवासी 23 वर्षीय किशना पुत्र अशोक बुजुर्ग दादी रामादेवी पत्नी अमर सिंह को बाइक पर बिठाकर मिलकन का पुरा गांव में रिश्तेदारी में गमी में शामिल होने जा रहा था।

उपनगरीय स्टेशन राई का बाग को राईका बाग करने की है मांग

रेलवे स्टेशन के नाम संशोधन को लेकर राईका समाज ने की मांग तेज

बेधड़क | जोधपुर

जोधपुर रेल मंडल के उपनगरीय रेलवे स्टेशन राई का बाग पैलेस जंक्शन के नाम में संशोधन को लेकर देवासी राईका समाज ने मांग तेज कर दी है। सोमवार को समाज के लोगों ने रैली निकाली और धरना दिया। समाज का कहना है कि जब तक रेलवे स्टेशन के नाम में संशोधन नहीं हो जाता, तब तक आंदोलन जारी रखेंगे।

आंदोलन के संयोजक लाल सिंह राईका ने बताया कि रेलवे स्टेशन का नाम राई का बाग से राईका बाग करना है। इसके लिए राज्य सरकार को रेलवे को अनुशंसा भेजनी है, लेकिन सरकार यह कर नहीं रही। हमने सरकार को पहले ही अल्टीमेटम दिया था, लेकिन फिर भी सरकार ने कोई पहल नहीं की, इसलिए हमें अब सड़कों पर उतरना पड़ा। अब हमारा संघर्ष जारी रहेगा, क्योंकि रेलवे ने ही गलती से नाम बदला था। पहले राईका बाग ही नाम हुआ करता था। आज भी कई जगह पर यह अंकित है, लेकिन मुख्य स्टेशन पर नाम बदल कर राईका बाग से राई का बाग कर दिया।

समाज के लोग पहले राई का बाग रेलवे स्टेशन गए और इसके बाद कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरना देंगे। राईका देवासी समाज के लोगों का कहना रेलवे से हम लंबे समय से पत्राचार कर रहे हैं। इसके अलावा राज्य सरकार में हर स्तर पर अपनी बात पहुंचाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। यदि यही स्थिति रही तो इस आंदोलन को लंबा चलाने की रणनीति तैयार है। सरकार नहीं मानी तो हम अपने पशुधन के साथ जोधपुर में धरना देंगे।

वन मंत्री के चेकअप के दौरान अस्पताल में बिजली गुल

मोबाइल की रोशनी में किया इलाज

बेधड़क | अलवर

जिला अस्पताल में वन मंत्री संजय शर्मा के रूटीन हेल्थ चेकअप के दौरान अजीब वाकया हो गया। चेकअप के बीच कुछ सेकेंड्स के लिए बिजली गुल हो गई। डॉक्टरों को मोबाइल के टॉर्च की रोशनी में मंत्री का चेकअप करना पड़ा। इससे डॉक्टरों को थोड़ा शर्मिंदा होना पड़ा।

बाद में जब मंत्री ने बिजली-पानी के व्यवस्था को लेकर सवाल किया तो इसे बड़ी खामी नहीं माना और कहा कि लाइट आती-जाती रहती है। हमारे जिला अस्पताल में मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं है। दरअसल, वन मंत्री सोमवार सुबह 10 बजे जिला अस्पताल में पौधरोपण कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे। पौधरोपण करने से पहले उन्होंने अपना हेल्थ चेकअप करवाया। रूटीन चेकअप के दौरान बिजली चली जाने पर वन मंत्री ने कहा कि लाइट जनरेटर की व्यवस्था भी है, ताकि आमजन और मरीजों को परेशानी नहीं हो। हमारे जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं सुचारू हैं। वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि हर बार 1 जुलाई से सरिस्का बंद हो जाता है।

केवल एक ही रूट खुला रहता है। इस बार दो रूट खुले रहेंगे। लेकिन, ये दोनों रूट पांडुपोल जाने वाले ही हैं। इसके अलावा जंगल के अंदर जाना बंद रहेगा। वैसे भी मंगलवार और शनिवार को सरिस्का के अंदर जाना रहेगा। बाकी एक रूट पर सफारी भी कर सकेंगे।

अंदर के दूसरे रूट पर सफारी के लिए नहीं जा सकेंगे। अलवर शहर से लगते बफर जोन में सफारी चालू रहेगी।

नेशनल हाईवे 925-A पर डूंगरी गांव में हुआ हादसा

बाइक टकराने से चाचा-भतीजे समेत 3 की मौत

बेधड़क | सांचौर

जिले में सोमवार को दो बाइक की आमने-सामने की भिडंत हो गई। इस हादसे में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा दोपहर एक बजे जिले के डूंगरी गांव में नेशनल हाइवे 925-A पर हुआ।

घटना की जानकारी के बाद सांचौर के एडिशनल एसपी सुरेश कुमार मेहरानिया मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना किया। एडिशनल एसपी सुरेश कुमार मेहरानिया ने बताया कि, सोमवार को दोपहर करीबन 1 बजे जूंजाराम (18) पुत्र गंगा राम जाट और उसका चाचा मांगी लाल (35) पुत्र जोधाराम जाट अपने घर से किसी काम से डूंगरी जा रहे थे। वो डूंगरी बस स्टैंड ही पहुंचे थे कि सामने से आ रहे प्रकाश जालबेरी (19) पुत्र बाबू लाल गोदारा जालबेरी की बाइक का बैलेंस बिगड़ा और जूंजाराम की बाइक से आकर टकरा गया। इस हादसे में तीनों बुरी तरह से घायल हो गए।

उनको राहगीरों ने तुरंत डूंगरी गांव के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन तीनों की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें सांचौर के निजी अस्पताल लेकर गए। करीब 2:30 बजे सांचौर पहुंचने पर मांगी लाल को डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं जूंजाराम और प्रकाश को पालनपुर (गुजरात) रेफर किया। जहां ले जाते समय करीब 4:30 बजे रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। शाम करीब 7:30 बजे तीनों के शव पैतृक गांव डूंगरी लाया गया।

वन विभाग ने लिया फैसला

तीन महीने पर्यटक नहीं कर सकेंगे सरिस्का टाइगर रिजर्व में सफारी

■ दो रूटों पर होती रहेगी सफारी

बेधड़क | अलवर

देश-दुनिया में पर्यटन के आकर्षण का केंद्र सरिस्का टाइगर रिजर्व का दीदार करने के लिए अब आपको कुछ दिन इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि सरिस्का टाइगर रिजर्व से अब 3 माह के लिए पर्यटकों के लिए बंद रहने जा रहा है। कोर एरिया में मात्र एक पांडुपोल रूट पर पर्यटकों को प्रवेश मिलेगा। हालांकि, सफारी के लिए पहुंचने वाले पर्यटकों को बफर रेंज में सफारी का आनंद मिलेगा, बफर रेंज में पर्यटकों का रेला देखने को मिलेगा। सरिस्का की बफर रेंज में दो रूट पर पर्यटकों को सफारी का आनंद मिलेगा।

बफर रेंज में अभी पर्यटकों के लिए हैं दो रूट

बफर रेंज के रेंजर शंकर सिंह शेखावत ने बताया कि 1 जुलाई से सरिस्का अभ्यारण 3 माह के लिए बंद रहेगा, लेकिन शहर के समीप बाला किला बफर जोन में पर्यटकों को प्रवेश दिया जाएगा। अभी बफर जोन में पर्यटकों को सफारी के लिए 19 जिप्सी संचालित हैं। बफर रेंज में दो रूट पर्यटकों के लिए है, जिसमें एक रूट प्रतापबंध से सूरजकुंड, बाला किला व दूसरा रूट बारा लिवारी से सुगनहोदी, अंधेरी के रूट पर पर्यटक सफारी का लुत्फ लेंगे। शंकर सिंह शेखावत ने बताया कि यहां आने वाले पर्यटकों को बाघों की अच्छी साइटिंग होगी। वर्तमान में बफर रेंज में 7 बाघ घूम रहे हैं। इसके साथ ही अन्य वन्य जीव भी बफर रेंज के जंगल में पर्यटकों को देखने को मिलेंगे। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों में बफर जोन में टाइगर की अच्छी साइटिंग हुई है।

इतने पर्यटकों ने लिया है सफारी का आनंद

शंकर सिंह शेखावत ने बताया कि बीते तीन माह में यहां आने वाले पर्यटकों को बाघों की अच्छी साइटिंग हुई है। इसके चलते पिछले 3 महीने में करीब 925 पर्यटक बफर रेंज में सफारी के लिए पहुंचे, जिसमें बारा लिवारी ट्रैक पर 125 पर्यटकों ने सफारी का आनंद लिया, जबकि बाला किला जोन में 800 पर्यटक घूमने के लिए आए।

बफर जोन में 19 जिप्सी है संचालित

रेंजर शंकर सिंह शेखावत ने बताया कि वर्तमान में बफर रेंज में 19 जिप्सी संचालित हैं। बाला किला रूट पर एक जिप्सी में 6 पर्यटकों का सफर 2148 व बारा लिवारी ट्रैक पर 6 पर्यटकों के लिए सफारी का चार्ज 7488 रुपए रहेगा। उन्होंने बताया कि पर्यटकों को सबसे ज्यादा टाइगर की साईटिंग बारा लिवारी ट्रैक पर होती है, इसलिए पर्यटक का रुझान भी बफर एरिया के बारा लिवरी ट्रैक पर ज्यादा रहता है। यह रूट बड़ा होने के चलते पर्यटकों को सफारी के लिए अधिक समय मिलता है। उन्होंने बताया कि बारिश से जैसे ही उमस होती है तो टाइगर जंगल के बाहर जिप्सी वाले ट्रैक पर आ जाता है और पर्यटकों को दिखाई देता है। सरिस्का के बफर रेंज में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से सरकार को भी राजस्व प्राप्त होता है।

नीट पेपर लीक विवाद: ग्रेस मार्क्स वाले छात्रों के रीएग्जाम के बाद नए नतीजे घोषित...

1563 छात्रों की नई मेरिट, काउंसलिंग 6 को

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा - यूजी (NEET UG) 2024 की पुनर्परीक्षा (Re-Exam) के नतीजों की घोषणा आज यानी सोमवार, 1 जुलाई को कर दी गई है। एजेंसी द्वारा रि-एग्जाम के नतीजे 30 जून तक जारी किए जाने थे, लेकिन रविवार को घोषित न होने से माना जा रहा था कि नीट यूजी पुनर्परीक्षा परिणाम (NEET UG Re-Exam Result 2024) अब सोमवार को किसी भी भी समय घोषित कर दिए जाएंगे। ये परीक्षा पेपर लीक विवाद के बाद कराई गई थी। एनटीए ने 23 जून को 1563 छात्रों के लिए दोबारा से परीक्षा आयोजित की थी, लेकिन यह परीक्षा 813 छात्रों ने ही दी थी. एनटीए ने इससे पहले 28 जून को नीट यूजी री-एग्जाम की आंसर की जारी की थी। छात्रों को 29 जून तक उस पर आपत्ति दर्ज कराने का मौका मिला था।

8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में होगी याचिकाओं पर सुनवाई

30 जून को रविवार होने के कारण रिजल्ट सोमवार को हुआ जारी

देशभर में 5 मई को हुई थी नीट परीक्षा

NEET-UG की परीक्षा 5 मई को देशभर के 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी और इसमें करीब 24 लाख उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया था। परीक्षा का परिणाम 4 जून को घोषित किया गया था, रिजल्ट 10 दिन पहले ही जारी कर दिया गया था। रिजल्ट के बाद पेपरलीक और गड़बड़ी के आरोप लगाए गए, क्योंकि 67 से अधिक छात्रों ने अधिकतम अंक प्राप्त किए, जिनमें से कुछ छात्र एक ही परीक्षा केंद्र के थे।

कब होगी काउंसलिंग

नीट यूजी 2024 की मेडिकल काउंसलिंग (MCC) अखिल भारतीय कोटा (AIQ) सीटों के लिए अंडरग्रेजुएट मेडिकल काउंसलिंग 6 जुलाई से शुरू करने की संभावना है। काउंसलिंग का शेड्यूल और जरूरी डिटेल्स जल्द ही mcc.nic.in पर जारी की जाएंगी। हालांकि ये सभी प्रक्रिया नीट को लेकर दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले के अधीन होगी। 8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है।

छात्रों को दिया गया है यह विकल्प

प्रभावित छात्रों को या तो अपने मूल अंक बरकरार रखने का विकल्प दिया गया है, यानी बिना ग्रेस मार्क्स के, या फिर दोबारा परीक्षा देने का। 23 जून को दोबारा परीक्षा देने वाले छात्रों को संशोधित अंक जारी किए जाएंगे। हालांकि, जिन छात्रों ने दोबारा परीक्षा नहीं दी है, उन्हें अब उनके पुराने मूल अंक दिए जाएंगे, जो बिना ग्रेस मार्क्स के अंक हैं।

AIQ और राज्य कोटा

नीट यूजी परीक्षा के माध्यम से अखिल भारतीय कोटा (AIQ) के तहत 15% और बाकी राज्य कोटा के तहत आने वाली सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। नीट यूजी के माध्यम से देशभर के संस्थानों में एमबीबीएस/बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। नीट यूजी परीक्षा के माध्यम से 15% अखिल भारतीय कोटा (AIQ) सीटों में अपनी जगह सुनिश्चित करने वाले अभ्यर्थियों को ऑल इंडिया कोटा और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), बीएचयू और एएमयू सहित डीम्ड विश्वविद्यालयों/ केंद्रीय विश्वविद्यालयों/ ईएसआईसी और

एएफएमसी की सभी सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए काउंसलिंग मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) द्वारा आयोजित की जाएगी। इसके अलावा 85% सीटों पर प्रवेश राज्य कोटे के आधार पर दिया जाता है। इसके तहत आप अपने राज्य में नीट यूजी कॉउंसलिंग में भाग ले सकेंगे। इसके लिए शेड्यूल बाद में जारी किया जायेगा। राज्य कोटा की सीटों के लिए कॉउंसलिंग राज्य परामर्श प्राधिकरणों या समितियों द्वारा प्रबंधित की जाती है।

13 जून को सुप्रीम कोर्ट का आया था फैसला

बता दें कि 13 जून को सुप्रीम कोर्ट ने 1,563 उम्मीदवारों के लिए NEET परिणाम 2024 को रद्द करने का फैसला किया, जिन्हें ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। दोबारा परीक्षा न देने वालों के लिए NEET UG 2024 के परिणाम ग्रेस अंकों को छोड़कर, मूल अंकों पर आधारित हैं।

काउंसिलिंग के लिए आवश्यक दस्तावेज

नीट यूजी काउंसिलिंग में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को तय किये गए दस्तावेज उपलब्ध करवाना अनिवार्य होगा। जो स्टूडेंट्स निर्धारित डाक्यूमेंट्स उपलब्ध करवाने में असमर्थ होंगे उनका प्रवेश रोका जा सकता है। कॉउंसलिंग के लिए कक्षा 10वीं एवं 12वीं की मार्कशीट और प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), वैध पहचान प्रमाण, रंगीन पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, स्कैन किये हुए हस्ताक्षर, ट्रांसफर सर्टिफिकेट, दिव्यांग प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) आदि होना आवश्यक है।

Yuva स्टोरीज

1056 पदों की रिक्तियां भरने की कवायद

यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा के नतीजे जारी

बेधड़क | नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग, यूपीएससी ने सोमवार को सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 का रिजल्ट जारी कर दिया है। जो उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए थे, वे अपना परिणाम आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर देख सकते हैं। इस परीक्षा में सफल उम्मीदवार अब मुख्य परीक्षा देंगे। मुख्य परीक्षा के बाद इंटरव्यू और फिर फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 16 जून को दो शिफ्ट में आयोजित की गई थी। यूपीएससी सिविल सेवा 2024 परीक्षा के माध्यम से केंद्र सरकार की सेवाओं और विभागों में 1056 रिक्तियां भरी जाएंगी। आयोग ने एक आधिकारिक बयान में लिखा है कि इन उम्मीदवारों की उम्मीदवारी प्रोविजनल है। परीक्षा के नियमों के अनुसार, इन सभी उम्मीदवारों को सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2024 के लिए विस्तृत आवेदन पत्र-I (DAF-I) में फिर से आवेदन करना होगा। DAF भरने की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी।

RPSC: डिप्टी जेलर, वाइस प्रिंसिपल पदों पर भर्ती

अजमेर। RPSC ने सोमवार को कारागार विभाग में डिप्टी जेलर के 73 पदों तथा कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग (प्राविधिक शिक्षा) में वाइस प्रिंसिपल/सुपरिटेंडेंट-ITI के 36 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किए हैं। शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि डिप्टी जेलर के लिए ऑनलाइन आवेदन 8 जुलाई से 6 अगस्त तक एवं वाइस प्रिंसिपल/सुपरिटेंडेंट के पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 जुलाई से 8 अगस्त 2024 की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे।

विशेष दिशा निर्देश

अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन-पत्र में धुंधली फोटो अपलोड नहीं करने एवं आवेदन अवधि के दौरान की नवीनतम फोटो जिस पर दिनांक भी उल्लेखित हो को ही अपलोड करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसी अपलोड की गई फोटो को परीक्षा केन्द्र में उपस्थिति-पत्रक पर चस्पा करने के लिए साथ लाना होगा, अन्य फोटो को मान्य नहीं किया जाएगा। कालान्तर में इसी फोटो को काउंसलिंग/साक्षात्कार के समय विस्तृत आवेदन-पत्र में भी उपयोग में लेना होगा।

NCERT ने जारी किया राजस्थान NMMS का परिणाम

कक्षा 8 के चयनित हुए विद्यार्थियों को भारत सरकार देगी सालाना 12,000 रु. छात्रवृत्ति

बेधड़क | नई दिल्ली

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने राजस्थान एनएमएमएस परिणाम 2024 जारी कर दिया है। परीक्षा में उपस्थित होने वाले कक्षा 8 के छात्र आधिकारिक वेबसाइट rajshaladarpan.nic.in के माध्यम से राजस्थान एनएमएमएस परिणाम 2024 डाउनलोड कर सकते हैं। राजस्थान एनएमएमएस परिणाम 2024 की जांच करने की प्रक्रिया इस लेख में आगे दी गई है।

एनएमएमएस राजस्थान रिजल्ट 2024 चेक करने और डाउनलोड करने के लिए बच्चों और अभिभावकों को लॉगिन पोर्टल पर रोल नंबर और जन्मतिथि दर्ज करनी होगी। एससीईआरटी राजस्थान ने पिछले साल 19 नवंबर 2023 को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर राजस्थान एनएमएमएस लिखित परीक्षा आयोजित की थी।

राजस्थान एनएमएमएस रिजल्ट में सफल होने वाले अभ्यर्थियों को एससीईआरटी की ओर से छात्रवृत्ति दी जाएगी। छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 8 के चयनित छात्रों को कक्षा 9 से 12 तक प्रति वर्ष 12,000 रुपए की छात्रवृत्ति मिलेगी। परिषद द्वारा जारी परिणाम की पीडीएफ फाइल में उम्मीदवारों का रोल नंबर, नाम, पिता का नाम, स्कूल का नाम, स्कूल का पता, एमएटी अंक, सैट अंक और कुल अंक शामिल हैं। बता दें कि परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित होने के लिए छात्रों को कुल मिलाकर कम से कम 40 प्रतिशत अंक (एससी, एसटी के लिए 32%) सुरक्षित करना आवश्यक है।

भारत सरकार की स्कॉलरशिप

जानकारी के लिए बता दें कि NMMS Scholarship Exam भारत सरकार द्वारा प्रतिभाशाली छात्रों के लिए शुरू किया गया है। इसके तहत उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए छात्रवृत्ति दी जाती है। इस छात्रवृत्ति का उद्देश्य गरीब बच्चों को माध्यमिक शिक्षा यानी कक्षा 9 से कक्षा 12 तक आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।

डाउनलोड प्रक्रिया...

- राजस्थान NMMS परिणाम 2024 डाउनलोड करने के लिए उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों की मदद ले सकते हैं-
- अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट rajshaladarpan.nic.in पर जाएं।
- होमपेज पर, NMMS के विकल्प पर क्लिक करें।
- यहां Result का चयन करें, रोल नंबर, जन्मतिथि और कॅप्चा दर्ज करें।
- Submit करें, Rajasthan NMMS Result 2024 स्क्रीन पर प्रदर्शित होगा।
- पीडीएफ डाउनलोड करें और अपने अंको की जांच करें।

इग्नू: प्रवेश व पुनः पंजीकरण की तिथि हुई 15

बेधड़क | जयपुर

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की जुलाई 2024 सत्र के लिए नवीन प्रवेश एवं पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है। क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. सचिन श्रीधर सुखदेवे ने बताया कि इग्नू द्वारा पूर्व में वर्तमान सत्र के लिए नवीन प्रवेश एवं पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 जून, 2024 निर्धारित की गई थी, जो बढ़ाकर अब 15 जुलाई, 2024 कर दी गई है।

इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन/मुक्त एवं दूरस्थ (ODL) में से किसी भी मोड का चयन करते हुए वर्तमान सत्र में नवीन प्रवेश/पुनः पंजीकरण कर सकते हैं एवं ऑनलाइन लिंक्स https://ignouiop.samarth.edu.in/ - (For ODL programme) https://ignouadmission.samarth.edu.in/ - (For Online programme) https://onlinerr.ignou.ac.in/ - (For Re-registration) के माध्यम से नवीन प्रवेश/पुनः पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय | डिजिटल लॉकर और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

तकनीकी का सही दिशा में उपयोग आवश्यक: कटेचा

बेधड़क | जयपुर

यूजीसी-मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, राजस्थान विश्विद्यालय, IQAC एंव उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में एवं नेशनल ई-गवर्नेन्स डिवीजन, MEITY, भारत सरकार के सहयोग से डिजिटल लॉकर एवं अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट विषय की जागरूकता पर एक दिवसीय कार्यशाला का सोमवार को आयोजन किया गया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि नई शिक्षा नीति समय की आवश्यकता है। इसे लागू करने में जो कठिनाइयां है, वो प्रारम्भिक हैं, इन्हें चुनौती के रूप में स्वीकार कर हमें आगे बढ़ना होगा। साथ ही, उन्होंने बताया कि आज समय की मांग को स्वीकार करते हुए हमें तकनीकी का सही दिशा में उपयोग करना होगा।

राजस्थान विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जाने वाले नवाचारों को लागू करने वाला एक बड़ा केंद्र बन उभर रहा है। राजस्थान के उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव, ग्रुप-4 डॉ. अनुज सक्सेना ने उच्च शिक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाले राज्य सरकार के शैक्षिक नवाचारों से अवगत कराते हुए कार्यशाला की रूपरेखा से परिचय कराया। UGC-MMTTC केंद्र की निदेशक प्रो. रश्मि जैन ने केंद्र की गौरवशाली परम्परा को बताते हुए इस तरह के आयोजन को शैक्षिक व प्रशासनिक कौशल की दृष्टि से आवश्यक बताया। उद्धघाटन सत्र के अंत में एन.ई.पी. संयोजक प्रो. शैलेन्द्र गुप्ता ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

बताए डिजिटल लॉकर अपनाने के लाभ

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में राज्य समन्वयक, डिजिटल लॉकर, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार स्वर्णप्रवा स्वैन ने 'डिजिटल लॉकर को अपनाने के लाभ' विषय पर व्याख्यान दिया। स्वैन ने कहा कि यह नियोक्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और व्यक्तियों के लिए सत्यापन प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, नौकरशाही की परेशानियों को कम करता है और क्रेडेंशियल्स की प्रामाणिकता सुनिश्चित करता है। इसे शामिल करने से अकादमिक रिकॉर्ड के प्रबंधन में पारदर्शिता, दक्षता और सुरक्षा बढ़ जाएगी। यह योग्यताओं की पुष्टि करने की प्रक्रिया को सरल बनाता है, धोखाधड़ी और दस्तावेज जालसाजी को कम करता है। स्वैन ने कहा कि यह क्रेडेंशियल्स को ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध कराकर, आजीवन सीखने को बढ़ावा देकर शिक्षा तक पहुंच को बढ़ाता है। डिजिलोकर कागज रहित और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए डिजिटल परिवर्तन के रुझानों के साथ भी जुड़ता है।

एनएडी और डिजिलॉकर की भूमिका बताई

कार्यशाला के दूसरे सत्र में डिजिलॉकर और एबीसी के प्रबंधक प्रकाश पांडे ने शैक्षणिक बैंक ऑफ क्रेडिट और एनईपी के लिए इसका महत्व और एबीसी के कार्यान्वयन में एनएडी और डिजिलॉकर की भूमिका विषय पर जानकारी दी। पांडे ने एबीसी के सफल कार्यान्वयन में नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) और डिजिलॉकर महत्वपूर्ण भूमिका व कार्य की भी जानकारी दी। कार्यशाला के अंत में UGC-MMTTC की निदेशक प्रो. रश्मि जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यशाला में राज्य के सभी राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

व्यवस्था से जुड़े नए कानून दंड नहीं... न्याय का विधान!

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से आहत होकर अंग्रेजों ने स्वतंत्रता सेनानियों और उनके मददगारों को दंड देने की दृष्टि से अनेक औपनिवेशिक कानून लागू किए थे। इनमें प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। 1860 में बने इंडियन पैनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। इन कानूनों के शीर्षक में ही 'दंड' की प्रधानता है। मसलन इन कानूनों की चपेट में जो भी आएगा उसे दंडित होना ही पड़ेगा। दंड के मनोविज्ञान से ही निर्दोश भयभीत हो जाया करते हैं। इस भय से मुक्ति का प्रावधान करने की दृश्टि से 'न्याय' शब्द का प्रयोग कानून के शीर्षकों में किया गया है। न्याय शब्द ही इस अर्थ का प्रतीक है कि यदि आपसे भूलवश कोई अपराध हो भी गया है तो आप न्याय के भागीदार होंगे।

अंग्रेजों के बनाए हुए दंड के विधान वाले ये कानून वास्तव में उन अंग्रेजों की सुरक्षा के लिए बनाए गए थे, जिनके विरुद्ध आम भारतीय आजादी की लड़ाई लड़ रहा था। अतएव अंग्रेजों द्वारा किए जा रहे दमन और लूट को सुरक्षा देने वाले कानून 1 जुलाई 2024 से खत्म हो जाएंगे। फिरंगी हुकूमत ने कानून भारतीयों को अधिकतम दंड देने की मानसिकता से बनाए गए थे, जबकि कोई भी विधि सम्मत प्रक्रिया दंड की अपेक्षा न्याय के सारोकारों से जुड़ी होनी चाहिए। इसीलिए भारतीय न्याय व्यवस्था के सिलसिले में कहा जाता रहा है कि यहां न्याय नहीं निराकरण होता है। इन कानूनों के लागू होने के साथ दुनिया में सबसे अधिक आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली भारत की होगी, क्योंकि अब इनकी आत्मा में भारतीयता निहित कर दी गई है। वैसे भी भारत में न्याय की अवधारणा बहुत पुरानी है और ये कानून उसी अवधारणा की भावना पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच प्रण किए थे, इनमें एक प्रण गुलामी की निशानियों को खत्म करना भी था। कानून संबंधी पारित विधेयक उसी परिप्रेक्ष्य में हैं। इन नए कानूनों के अंतर्गत दंड अपराध रोकने की भावना पैदा करने के लिए दिया जाएगा। ये नए कानून महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर केंद्रित हैं। अब नए कानून में नाबालिग से दुष्कर्म और मॉब लिंचिंग के लिए फांसी की सजा दी जाएगी। राजद्रोह कानून ब्रिटिश सत्ता को कायम रखने के लिए था, इसे अब खत्म किया जा रहा है। कुछ प्रचलित धाराओं की संख्या भी बदली गई है। प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। 1860 में बने इंडियन पैनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) कहा जाएगा। 164 साल पुरानी आईपीसी में 511 धाराएं थीं, जो बीएनएस-2023 में 358 रह जाएंगी। इसमें 21 नए अपराध जुड़े हैं और 41 धाराओं में सजा बढ़ाई गई है। पहली बार छह अपराधों में सामुदायिक सेवा की सजा जोड़ी गई है। साफ है, पीड़ितों के साथ न्याय पर फोकस किया गया है। 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) कहा जाएगा। इसमें 47 नई धाराओं के साथ अब कुल 531 धाराएं होंगी। पहले धारा 154 में होने वाली प्राथमिकी नए कानून के तहत धारा-173 में दर्ज की जाएगी। अब पुराने कानून दंड प्रक्रिया संहिता में से दंड को हटाकर नागरिक सुरक्षा पर जोर दिया गया है, 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। पुराने कानून में 167 धाराएं थीं, जो अब 170 रह गई हैं। इस कानून को तकनीक और फॉरेंसिक आधार पर तैयार किया गया है। ताकि सजा का प्रतिशत 90 प्रतिशत तक पहुंच जाए। बढ़ते साइबर अपराधों के संदर्भ में इस कानून की अहम् भूमिका जताई जा रही है।

> "नए प्रारूप में धारा 150 के तहत आरोपी को सात साल की सजा से लेकर उम्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। मॉब लीचिंग यानी उन्मादी भीड़ द्वारा हत्या और हिंसा के लिए अलग से सजा का प्रावधान किया गया है। इसे पंथ निरपेक्ष रखा गया है। नाबालिग से दुष्कर्म या पहचान छिपाकर किए गए दुष्कर्म के आरोप में 20 साल का कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। विरोध नहीं करने के अर्थ का आशय सहमति नहीं निकाला जाएगा। मौजूदा स्थिति में नाबालिग से दुष्कर्म पर न्यूनतम सजा में सात साल की व्यवस्था है।"

सबसे बड़ा परिवर्तन 1860 में अस्तित्व में आए औपनिवेशिक कानून 'राजद्रोह' में किया गया है। राजद्रोह कानून से 'राजद्रोह' शब्द विलोपित करके 'देशद्रोह' किया है। क्योंकि अब देश स्वतंत्र हो चुका है। अतएव लोकतांत्रिक देश में सरकार की आलोचना कोई भी कर सकता है। यह नागरिक का अधिकार है। इसके औचित्य पर लगातार सवाल उठते रहे थे। संसद में भी इस धारा के औचित्य पर कई बार प्रश्नचिह्न खड़े किए गए हैं, लेकिन बदलाव के इस प्रस्ताव से पहले कोई भी सरकार इस कानून में परिवर्तन की हिम्मत नहीं जुटा पाई। संप्रग सरकार में जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब 2012 में राज्यसभा में प्रस्तुत एक निजी विधेयक में सांसद डी राजा ने कहा था कि 'देश में चले स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के दमन और उन पर अमानुशिक अत्याचार के लिए फिरंगी हुकूमत ने 1860 में देशद्रोह का कानून बनाया था। इसे और कठोर 1870 में धारा 124-ए को दंड प्रक्रिया संहिता में शामिल कर दिया गया था, लिहाजा इस कानून में अब बदलाव की जरूरत है। उस समय की सरकार ने इस निजी विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। दरअसल यही वह कालखंड था, जब 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम पूरे राष्ट्र में एकजुटता के साथ उभरा था। भारत के विरुद्ध सांप्रदायिक कट्टरता फैलाने और सरकार के लिए नफरत के हालात बनाने में भारत विरोधी विदेशी ताकतें सोशल मीडिया का मनचाहा एवं गलत दुरुपयोग करती हैं, इसलिए नए कानून में देश तोड़ने की कोशिश करने वाली ताकतों पर अंकुश के लिए कठोर कानूनी प्रावधान नए कानून में हैं। अतएव स्वतंत्रता के 76 साल बाद भारतीयों को वास्तव में ऐसी प्रणाली मिल गई है, जो दंड की बजाय अधिकतम न्याय पर आधारित है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

घणा मान थांका: पार्वती-काली सिंध-चंबल अंतरराज्यीय नदी संपर्क परियोजना

जल है तो कल है... जल समृद्ध बने प्रदेश

गजानन्द शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

> "हस्ताक्षर होने का अर्थ है परियोजना के रास्ते में आ रही अड़चनों को दूर कर लिया गया है और इसे धरातल पर उतारने का रास्ता खुल गया है। इस महती परियोजना पर 72000 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। सहमति पत्र के अनुसार मध्य प्रदेश 35 हजार करोड़ रुपए और राजस्थान 37 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगा। परियोजना के तहत 1477. 62 मिलियन घन मीटर जल भराव क्षमता के 17 बांधों का निर्माण किया जाएगा।"

राजस्थान में वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ग्रामीण अंचल में खेती का काम शुरू होता है तो एक गीत गाया जाता है- सुरंगी रुत आई म्हारै देस, भलेरी रुत आई म्हारै देस। यानी हमारे यहां चैमासा शुरू हो गया है और लोगों का भला करने वाली ऋतु शुरू हो गई है, लेकिन इस बार तो चौमासे का आगमन एक सुखद संयोग के साथ हुआ है। गत दिनों मानसून ने जब मध्य प्रदेश से होते हुए राजस्थान में प्रवेश किया तो उसके पीछे-पीछे चलकर राज्य के लिए एक और खुश खबर आ गई। यह खुश खबर है -पार्वती-काली सिंध-चंबल अंतरराज्यीय नदी संपर्क परियोजना के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर। इसके साथ ही प्रदेश के लिए चंबल नहर परियोजना और इंदिरा गांधी नहर परियोजना के बाद एक और बड़ी जल परियोजना का सपना साकार होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। पहली दो परियोजनाओं ने राजस्थान के दो अंचलों श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिलों और हाड़ौती अंचल के कोटा-बूंदी-बारां जिलों को अनाज का कटोरा बना दिया। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि यह नई पार्वती-काली सिंध-चंबल नदी परियोजना पूर्वी राजस्थान के लिए समृद्धि के लिए नया रास्ता खोलेगी। प्रदेश की करीब 40 प्रतिशत आबादी इससे लाभान्वित होगी। वस्तुतः यह नदी संपर्क परियोजना पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का ही नया रूप है।

पिछले विधानसभा चुनाव में एक अहम चुनावी मुद्दा बनी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना यानी ईआरसीपी पिछले पांच साल से प्रदेश में सियासी खींचतान का केंद्र बिंदु बनी हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने कार्यकाल में इस परियोजना के लिए खूब सक्रिय रहे, लेकिन वे केंद्र सरकार को अपनी बात का कायल नहीं कर पाए। इस परियोजना को लेकर केंद्र सरकार की दृष्टि और तत्कालीन गहलोत सरकार की अवधारणा में कुछ बुनियादी अंतर था। विवाद बना रहा। अड़चनें दूर नहीं हो सकी। परियोजना लटकती रही, लेकिन पिछले साल के अंत में हुए विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में सत्ता परिवर्तन हो गया था। दोनों हितधारी राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में नई सरकारों के गठन के बाद इस साल जनवरी के आखिरी सप्ताह में परियोजना की विस्तृत डीपीआर यानी डिटेल प्रोग्रेस रिपोर्ट तैयार करने की सहमति बनी। फिर इस पर काम शुरू हुआ और अंततः परियोजना के लिए राजस्थान, मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार के बीच रविवार को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हो गए हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह परियोजना जब धरातल पर उतर आएगी तो पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों की तस्वीर बदल जाएगी। सिंचाई व पेयजल की दृष्टि से ये जिले प्यासे नहीं रहेंगे।

मूल परियोजना में 13 जिले शामिल थे। हाल में जिलों के गठन के बाद इनकी संख्या में यदि बदलाव आया है तो भी परियोजना में शामिल रकबे में तो कोई बदलाव होने से रहा। यानी जब यह परियोजना बनकर तैयार हो जाएगी तो पूर्वी राजस्थान के इन 13 पूर्वी जिलों की करीब 2.80 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई हो सकेगी। यह रकबा तो सिर्फ राजस्थान का है। मध्य प्रदेश की भी 13 जिलों की करीब 3.37 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचाई की सुविधा मिल सकेगी। यानी दोनों राज्यों की छह लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि में सिंचाई हो सकेगी और पेयजल भी उपलब्ध हो सकेगा। इस परियोजना को पूरा करने पर 72000 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस परियोजना के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए इस साल जनवरी के अंतिम सप्ताह बनी सहमति के पांच माह बाद 29 जून, 2024 को परियोजना के पूरा करने के लिए तीनों पक्षों ने भोपाल में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में एक सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर होने का अर्थ है परियोजना के रास्ते में आ रही अड़चनों को दूर कर लिया गया है और इसे धरातल पर उतारने का रास्ता खुल गया है। इस महती परियोजना पर 72000 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। सहमति पत्र के अनुसार मध्य प्रदेश 35 हजार करोड़ रुपए और राजस्थान 37 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगा। परियोजना के तहत 1477. 62 मिलियन घन मीटर जल भराव क्षमता के 17 बांधों का निर्माण किया जाएगा। इसलिए ही यह परियोजना बहुत उम्मीद जगाती है। यह मत भूलिए आजादी से पहले आई गंगनहर ही पहले राजस्थान नहर और बाद में इंदिरा गांधी नहर के रूप में मरुगंगा का रूप लेकर जैसलमेर तक पहुंच गई है। करोड़ों प्यासे कंठों को पानी मिला है और लाखों हेक्टेयर भूमि में सिंचाई हो रही है। इस तरह एक दिन पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना भी प्रदेश के लिए जल समृद्धि का सबब बन जाएगी। पड़ोसी राज्यों से पानी लाने के साथ राजस्थान को खुद अपने बूते पर जलसमृद्ध या जल स्वावलंबी प्रदेश बनाने के लिए एक नई रणनीति पर काम शुरू करने की जरूरत है। प्रदेश में बरसने वाली हर बूंद का संग्रह हो इसके लिए संसाधन तैयार करने की जरूरत है। हम नदियों को जोड़ने में सहभागी बनकर अन्य राज्यों से पानी ला रहे हैं, लेकिन अपने बांधों के रखरखाव और सुरक्षा में लगातार नाकाम होते जा रहे हैं, जबकि जरूरत विलुप्त होते तालाब और अंतिम सांसें गिनते अनेक रियासतकालीन बांधों और अपना अस्तित्व खो रही बरसाती नदियों का उद्धार करने की है। अतः प्रदेश को बरसाती पानी के संचय के लिए इन बांधों व तालाबों के संरक्षण, संरक्षा और सुरक्षा की जरूरत है।

जयपुर का उदाहरण हमारे सामने है। यह विडंबना ही है कि आधे जयपुर को पानी पिलाने वाला रामगढ़ बांध आज सूखा पड़ा है और बीसलपुर बांध के फ्लड वाटर यानी फालतू बहकर जाने वाले पानी को लाकर इसे भरने की चर्चा समय-समय पर सुनाई देती है। किसी ऐसे अहम जलस्रोत के इस तरह बदहाल होने की नौबत क्यों आई, इस पर गौर करने की जरूरत है ताकि प्रदेश के अन्य जलस्रोत चाहे वे पेजयल के हों या सिंचाई के हों, कम से कम उनको तो बचाया जा सके। राजस्थान सतही जल की उपलब्धता के मामले में तो कंगाल है ही भूजल स्तर भी प्रदेश में तेजी से गिर रहा है। इसको थामने व आने वाले समय में किसी भी भयावह हालात से बचने के लिए एक जल स्वावलंबन की दिशा में अभी से पहल किए जाने की जरूरत है। प्रदेश का फिर कोई बांध रामगढ़ बांध न बने, इसके लिए पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है। जैसे चुनावों में आचार संहिता का सख्ती से पालन किया जाता है, उसी तरह जल स्रोतों की सुरक्षा की लिए आचार संहिता बनाई जाए और उस पर सख्ती से अमल हो। अन्य राज्यों से नदी जल लाने के प्रयास तभी सार्थक होंगे, जब हम अपने जल स्रोतों को संरक्षित नहीं कर लेते। कहा भी जाता है जल है तो कल है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

त्याग पत्र

संतोष दिवाकर
व्यंग्यकार

हमारे देश में बहुत सारे पत्र मिलते हैं- प्रशंसा पत्र, नियुक्ति पत्र, स्थानांतरण पत्र आदि आदि। यह सारे पत्र दूसरों के द्वारा निर्गत किए जाते हैं लेकिन त्यागपत्र एक ऐसा पत्र है जो आदमी स्वयं निर्गत करता है और स्वयं ही वापस भी ले सकता है। कभी-कभी त्यागपत्र के नाम पर पर्दे के पीछे खेला होता है, मोलजोल होता, कुछ मिलता है तो वापस ले लेते है और लौट के बुद्धू घर को आए कहावत को चरितार्थ करतें हैं। ये तो राजनीति की कहानी है। सरकारी नौकरियों में कुछ त्यागपत्र स्वयं देते है जिसे स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति यानी वीआरएस कहते हैं, कुछ त्यागपत्र जबरन दिलवाया जाता है जिसे सीआरएस कहते हैं।

पहले में आदमी स्वयं उस संगठन/ कार्यालय से अपना रिश्ता तोड़ना चाहता है जबकि दूसरे में संगठन वाले उसे ससम्मान घर भेज देते है। त्यागपत्र की महिमा अपरंपार है जिसमें त्याग कुछ भी नहीं है बल्कि कुछ और पाने की लालसा रहती है। वो जमाना चला गया, जब लाल बहादुर शास्त्री रेल मंत्री थे और एक रेल दुर्घटना हुई तो उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए रेल मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। आज तो मंत्री जी पद पर बने रहते हैं और जनता के बीच रटा रटाया फॉर्मूला सुनाते रहते हैं कि जांच चल रही है, दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा और बेशर्मी से कुर्सी से चिपके रहते हैं। राजनीति में त्यागपत्र देने के बाद अफवाहों का बाजार गर्म रहता है, समर्थक मानमनौव्वल में लग जाता है, हमारा नेता कैसा हो रामलाल जैसा हो। त्यागपत्र वापस लेने की राजनीति शुरू हो जाती है। दल के अन्य नेता दिखाने को त्यागपत्र वापस लेने के समर्थन में दिखते नजर आते हैं लेकिन अंदर ही अंदर भीतरघात करते रहते हैं कि इसका त्यागपत्र स्वीकृत हो जाए और उसकी कुर्सी मुझे मिल जाए। नेता जी भी त्यागपत्र वापस के लिए अनुरोध करने वाले लोगों पर ध्यान रखते हैं कि कौन आ रहा है कौन नहीं आ रहा है। एक बार तो एक नेता जी का भतीजा भी उन्हें त्यागपत्र वापस लेने के लिए नहीं कहा। कभी कभी त्यागपत्र रूपी शगुफा छोड़कर आदमी अपना शक्ति परीक्षण करना चाहता है और भविष्य मजबूत करना चाहता है। राजनीति का त्यागपत्र तो उस कोप भवन के समान होता है जिसमें यदि कोई रानी बैठी है तो इसका अर्थ है कि रानी को कुछ चाहिए, ऐसा ही कुछ राजनीति का त्यागपत्र भी होता है।

स्वर्गीय बाजपेई जी भाजपा के एक छत्र नेता थे और जब दल के शीर्ष पर रहे कुछ वर्ष हो गए, तो दबे जुबान में लोगों के मुंह से निकलने लगा कि वाजपेई जी को अब आराम करना चाहिए, सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए। ऐसे में उन्होंने एक जगह एक भाषण दिया जिसमें उन्होंने कहा "न टायर, न रिटायर, अगला चुनाव आडवाणी जी के नेतृत्व में"। इतना कहना था कि आधे घंटे के अंदर में लोगों का व्यक्तव्य आने लगा कि अभी बाजपेई जी भाजपा का नेतृत्व संभाले, पार्टी और देश को उनकी सेवा की जरूरत है और इस तरह त्यागपत्र दिलवाने की बात का लोगों ने त्याग कर दिया; यह है त्यागपत्र की महिमा!

ऐसे संत, जिनकी जन्म तिथि व जन्म स्थान अज्ञात!

खेचरी मुद्रा व अष्टांग महायोगी देवरहा बाबा

अशोक 'प्रवृद्ध'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

एक सिद्ध महापुरुष, संत पुरुष एवं एक अष्टांग सिद्ध महायोगी के रूप में प्रसिद्ध देवरहा बाबा इस भारत भूमि के ऐसे संत थे, जिनकी जन्म तिथि व जन्म स्थान अज्ञात है। जिसके कारण उनकी सही उम्र का आकलन भी नहीं हो पाया है। और उनकी आयु आज भी एक रहस्य बना हुआ है। किसी ने उन्हें 250 वर्ष, किसी ने 500 वर्ष तो किसी ने उन्हें 1000 वर्षों का कहा। इस आश्चर्य को सुनकर लन्दन के आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से कुछ वैज्ञानिक भारत आकर देवरहा बाबा के बाल, नाखून और आवाज को संग्रहित कर अनुसंधान करने के लिए ले गए कि उनकी आयु क्या है? तब उन्होंने जांच में यह पाया कि यह नाखून और बाल जिसके भी हैं, वह मात्र तीन वर्ष का बालक है और यह आवाज जिसकी भी है, वह पांच हजार वर्ष से अधिक पुरानी है।

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद अपनी जीवन कथा में लिखते हैं- जैसा मैंने पूज्य बाबा को अब देखा है, ऐसे ही जब मैं दस वर्षों का था और अपने पितामह की उंगली पकड़कर बाबा के दर्शनों के लिए जाया करता था, तब भी बाबा की ऐसी ही अवस्था थी। बाबा त्रिबन्ध सिद्ध महायोगी थे। बाबा को खेचरी मुद्रा सिद्ध थी, जिसके प्रभाव से ब्रह्मरन्ध्र में स्थित अमृत का तालु में जिह्वा लगाकर उसका रसपान किया करते थे। जिसके कारण उन्हें अन्न और फल को ग्रहण करने की आवश्यकता नहीं पड़ती थी, किन्तु हर पंद्रह दिन पर अंतड़ियों के स्वस्थ रहने के लिए देवरहा बाबा सौ ग्राम गौ दुग्ध में सौ ग्राम जल

मिलाकर सेवन किया करते थे। मान्यतानुसार हिमालय में अनेक वर्षों तक अज्ञात रूप में रहकर उन्होंने साधना की। वहां से वे पूर्वी उत्तर प्रदेश के देवरिया नामक स्थान पर पहुंचे। और लगभग 1850 ईस्वी में लोगों को प्रथम बार दिखाई दिए। जबसे वे लोगों को दिखाई दिए अर्थात समाज के संपर्क में आये, तबसे उनका अधिकांश समय लगभग सन 1850 से 1986 ईस्वी तक उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के नाथ नदौली ग्राम के लार रोड में बीता। देवरिया में वर्षों निवास करने के कारण ही उनका नाम देवरहा बाबा पड़ा। प्रयागराज में 1989 ईस्वी में महाकुंभ के पावन पर्व पर विश्व हिन्दू परिषद के मंच से बाबा ने अपना पावन संदेश देते हुए कहा था-दिव्यभूमि भारत की समृद्धि गोरक्षा, गोसेवा के बिना संभव नहीं होगी। गोहत्या का कलंक मिटाना अत्यावश्यक है। देवरहा बाबा महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग में पारंगत थे। बाबा ने योग विद्या के जिज्ञासुओं को हठयोग की दसों मुद्राओं का प्रशिक्षण दिया। वे ध्यान योग, नाद योग, लय योग, प्राणायाम, त्राटक, ध्यान, धारणा, समाधि आदि की साधन पद्धतियों का जब विवेचन करते तो बड़े-बड़े धर्माचार्य उनके योग सम्बंधी ज्ञान के समक्ष नतमस्तक हो जाते थे।

कहा जाता है कि बाबा सबके मन की बातें जान लेते थे। वह जानवरों की भाषा और बोली को भी समझ जाते थे। उनमें खतरनाक जंगली जानवरों को अपने वश में कर लेने की शक्ति थी। अपने पास आने वाले प्रत्येक व्यक्ति से वे बड़े प्रेम से मिलते थे और सबको कुछ न कुछ प्रसाद अवश्य दिया करते थे। प्रसाद देने के लिए बाबा अपना हाथ ऐसे ही मचान के खाली भाग में रखते थे और उनके हाथ में फल, मेवे या कुछ अन्य खाद्य पदार्थ आ जाते थे, जबकि मचान पर ऐसी कोई भी वस्तु नहीं रहती थी। श्रद्धालुओं को कौतुहल होता था कि आखिर यह प्रसाद बाबा के हाथ में कहां से और कैसे आता है? उनमें खेचरी मुद्रा सिद्ध होने के कारण कहीं भी कभी किसी समय भी चले जाने की शक्ति थी। वे जल पर चलते भी थे और अपने किसी भी गंतव्य स्थान पर जाने के लिए उन्होंने कभी भी सवारी नहीं की और न ही उन्हें कभी किसी सवारी से कहीं जाते हुए देखा गया। उनके आस-पास उगने वाले बबूल के पेड़ों में कांटे नहीं होते थे। चारों तरफ सुंगध ही सुंगध होता था। जनश्रुति के अनुसार वह किसी महिला के गर्भ से नहीं बल्कि जल से अवतरित हुए थे। यमुना के किनारे वृन्दावन में वह 30 मिनट तक पानी में बिना सांस लिए रह सकते थे। बाबा जीवन पर्यन्त भारत के पवित्र नदियों के तट पर नौ खम्भों के ऊपर पृथ्वी से आठ फुट की ऊंचाई पर लकड़ी से निर्मित मंच पर सदैव निवास किया करते थे। बाबा प्रतिवर्ष पौष पूर्णिमा से शिवरात्रि पर्यन्त सम्पूर्ण माघमास प्रयाग में कल्पवास किया करते थे। बाबा वस्त्र के नाम पर केवल मृगचर्म ही पहना करते थे। बाबा स्थूल शरीर के अंतिम चार वर्ष सन 1986 से 1990 तक श्रीधाम वृन्दावन में रहे और वहीं पर 19 जून सन 1990 के आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष योगिनी एकादशी मंगलवार के दिन महासमाधि में लीन हो गए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

X

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
हिंदू धर्म भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण आधारस्तंभ है! यह सहिष्णुता, उदारता एवं कृतज्ञता जैसे मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है! हमारे प्रेरणास्रोत, स्वामी विवेकानंद जी ने भी कहा था, 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' और आज देश का प्रत्येक हिंदू अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गौरवान्वित है। करोड़ों हिंदुओं की आस्था को चोट पहुंचाने वाले राहुल गाँधी को अपने तुच्छ वक्तव्य के लिए माफी माँगनी चाहिए। उन्होंने केवल एक समुदाय विशेष को आहत नहीं बल्कि भारत माता की आत्मा को चोट पहुंचाई है।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
@myogiadityanath
हिंदू भारत की मूल आत्मा है। हिंदू सहिष्णुता, उदारता और कृतज्ञता का पर्याय है। गर्व है कि हम हिंदू हैं! मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में डूबी हुई, स्वयं को 'एक्सीडेंटल हिंदू' कहने वाली जमात के 'शहजादे' को यह बात भला कैसे समझ आएगी? आपको विश्व के करोड़ों हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए राहुल जी! आपने आज एक समुदाय को नहीं, भारत माता की आत्मा को लहूलुहान किया है।

शिरोमणि अकाली दल में रार... अकाल तख्त के सामने पेश हुए बागी नेता, निशाने पर रहे पार्टी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल

अकाली शासन के दौरान हुई गलतियों के लिए मांगी माफी... पत्र सौंपा

एजेंसी | अमृतसर

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के बागी नेता सोमवार को अकाल तख्त के जत्थेदार के सामने पेश हुए और राज्य में उनकी पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान हुई गलतियों के लिए माफी मांगी। बागी नेताओं ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर स्थित अकाल तख्त सचिवालय में जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह को माफीनामा सौंपा। ज्ञात रहे कि अकाल तख्त सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था है।

पत्र में इन नेताओं ने 2007 से 2017 के बीच अकाली दल की सत्ता के दौरान हुई चार गलतियों के लिए माफी मांगी, जिसमें 2015 की बेअदबी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित न करवा पाना और 2007 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम द्वारा की गई ईश निंदा के मामले में उसे माफ कर देना शामिल है। बागी नेताओं ने दावा किया कि सिख पंथ और पंजाब के लोग इन गलतियों के कारण अकाली दल से दूर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वे सिख सिद्धांतों के अनुसार किसी भी सजा

का सामना करने के लिए तैयार हैं।

दरअसल, पंजाब की शिरोमणि अकाली दल के कई बड़े नेताओं ने पार्टी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ विद्रोह कर दिया है। बागी नेताओं में पूर्व सांसद प्रेम सिंह चंदूमाजरा, बीबी जागीर कौर, गुरपरताप सिंह वडाला, परमिंदर सिंह ढींढसा और पार्टी नेता सुच्चा सिंह छोटेपुर शामिल हैं। ये सभी लोग अकाल तख्त जत्थेदार के समक्ष उपस्थित हुए। इन नेताओं का मानना है कि लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए सुखबीर सिंह बादल को पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन बादल ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया जिसके बाद इन नेताओं के विरोध का सुर और मुखर हो गया।

बेअदबी के दोषियों को नहीं दे सके सजा

बागी नेताओं ने कहा कि इन गलतियों के कारण शिरोमणि अकाली दल को न केवल धार्मिक मोर्चे पर असफलता का सामना पड़ा, बल्कि राजनीतिक क्षेत्र में भी लोगों की उदासीनता का सामना करना पड़ा। बेअदबी की घटनाओं का जिक्र करते हुए इन नेताओं ने कहा कि तत्कालीन अकाली सरकार दोषियों को सजा सुनिश्चित नहीं कर सकी, जबकि उन्हें पता था कि 2015 की घटनाओं के बाद सिख पंथ नाराज था। पत्र में कहा गया है कि तत्कालीन गृहमंत्री सुखबीर सिंह बादल और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष ने न तो इस मामले की समय पर जांच कराई और न ही दोषियों को सजा दिलाने की कोशिश की।

राम रहीम के खिलाफ केस ले लिया वापस

माफीनामे में नेताओं ने डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम पर लगे ईश निंदा के मामले के बारे में कहा कि तत्कालीन अकाली सरकार ने इस मामले पर कोई फैसला लेने की जगह इस केस को वापस लेने का फैसला कर लिया। 2021 में बादल ने इस मामले पर कहा था कि गुरमीत राम रहीम पर लगा केस कभी वापस नहीं लिया गया। नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि सुखबीर सिंह बादल ने गुरमीत सिंह को माफ करवाने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल किया। लेकिन सिखों के गुस्से के कारण शिरोमणि अकाली दल और शिरोमणि कमेटी को फैसले को वापस लेना पड़ा।

मेरी आवाज दबाने की कीमत BJP को चुकानी पड़ी: महुआ

नई दिल्ली। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने सोमवार को लोकसभा में सत्तारूढ़ भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि पिछली बार जब मैं यहां (संसद) खड़ी थी तो मुझे बोलने नहीं दिया गया, लेकिन सत्ताधारी दल ने एक सांसद की आवाज दबाने की बहुत भारी कीमत चुकाई है। मुझे बैठाने के चक्कर में जनता ने आपके 63 सांसदों को स्थाई रूप से बैठा दिया। देश की जनता ने भाजपा को 303 से 240 सीटों पर ला दिया। मोइत्रा ने अपने भाषण की शुरुआत ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की। उन्होंने पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा,मैं आपसे विनती करती हूं कि आप यहां एक घंटे से हैं मेरी बात भी सुनते हुए जाइए। आप मेरे क्षेत्र में दो बार आए आज तो सुनते जाइए सर।

पंकजा मुंडे विधान परिषद चुनाव में प्रत्याशी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने सोमवार को महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। जिन नामों की घोषणा की गई है, उनमें पंकजा मुंडे, योगेश तिलेकर, परिणय फुके, अमित गोरखे और सदाभाऊ खोत शामिल हैं। खास बात ये है कि भाजपा ने पंकजा मुंडे पर एक बार फिर भरोसा जताया है। पंकजा ने बीड से लोकसभा चुनाव चुनाव लड़ा था। हालांकि, वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के बजरंग सोनवाने से 6000 वोटों के अंतर से हार गई थीं। उनके चार समर्थकों ने उनकी हार के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। राज्य की 11 विधान परिषद सीट पर 12 जुलाई को मतदान होगा। उसी दिन नतीजे भी घोषित किए जाएंगे। महाराष्ट्र भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व को 11 नामों की सूची भेजी थी। जिनमें से पांच नाम पर पार्टी ने मुहर लगाई है।

तीन नए कानूनों पर सियासत गरमाई: कांग्रेस ने की आलोचना

अब दंड की जगह न्याय, देरी की जगह त्वरित सुनवाई: अमित शाह

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशभर में नए आपराधिक कानून लागू होने के बीच सोमवार को कहा कि अब तीन नए कानूनों के कार्यान्वयन के बाद दंड की जगह न्याय होगा और देरी की जगह त्वरित सुनवाई होगी। दूसरी ओर कई विपक्षी नेताओं ने इन नए कानूनों को लागू करने की आलोचना की है। शाह ने यहां नए आपराधिक कानूनों के संबंध में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आजादी के 77 साल बाद आपराधिक न्याय प्रणाली स्वदेशी हो रही है और यह भारतीय लोकाचार के आधार पर चलेगी। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 सोमवार से पूरे देश में प्रभावी हो गए। इन तीनों कानून ने ब्रिटिश कालीन कानूनों क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है। शाह कहा, तीनों आपराधिक न्याय कानूनों के कार्यान्वयन से सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली की स्थापना होगी। उन्होंने कहा कि इन कानूनों के लागू होने से त्वरित न्याय होगा। उन्होंने कहा कि पुरानी व्यवस्था में केवल पुलिस के अधिकार सुरक्षित थे, लेकिन अब पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं के अधिकार सुरक्षित होंगे। उन्होंने कहा कि इन तीनों आपराधिक न्याय कानूनों पर चार वर्ष से अधिक समय तक विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए आपराधिक न्याय कानूनों के तहत दोषसिद्धि दर 90 प्रतिशत तक होगी और अपराधों में कमी आएगी।

राजनीतिक सीमाओं से उठकर करें समर्थन

गृह मंत्री ने देश के सभी दलों से राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर आपराधिक न्याय कानूनों का समर्थन करने की अपील की और कहा कि यदि विपक्ष के किसी भी नेता को नए आपराधिक कानूनों को लेकर कोई चिंता है तो वह उनसे मिलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, कृपया इस कानून को जनता की सेवा करने का मौका देना चाहिए। समय पर न्याय मिलेगा तो देश का भला होगा।

गवाहों की सुरक्षा के लिए प्रावधान लाए गए

अमित शाह ने बताया कि गवाहों की सुरक्षा के लिए प्रावधान लाया गया है। मॉब लिंचिंग के खिलाफ भी नए आपराधिक कानून में प्रावधान है। अब महिला अपराध के प्रति कठोर दंड दिया जाएगा। शाह ने बताया कि नए कानून में कई प्रावधान ऐसे थे जो अंग्रेजों के समय से विवादों में थे। इन्हें नए प्रावधानों में बदला गया है। प्रावधानों के तहत प्राथमिकता तय की गई है।

संसदीय प्रणाली पर नहीं चलने देंगे बुलडोजर न्याय: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि आपराधिक कानूनों को सांसदों को निलंबित कर जबरन पारित किया गया। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बुलडोजर न्याय संसदीय प्रणाली पर चलने नहीं देगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला बोला है। खरगे ने सोशल मीडिया की पोस्ट में कहा कि इन दिनों पीएम मोदी और भाजपा के लोग संविधान के आदर का खूब दिखावा कर रहे हैं, पर सच तो यह है कि आज से जो आपराधिक न्याय प्रणाली के तीन कानून लागू हो रहे हैं, वो 146 सांसदों को सस्पेंड कर जबरन पारित किए गए।

बिना पर्याप्त बहस व चर्चा के लेकर आए कानून : चिदंबरम

दूसरी ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बीच सोमवार को सरकार की आलोचना की और कहा कि यह मौजूदा कानूनों को ध्वस्त करने तथा उनके स्थान पर बिना पर्याप्त चर्चा व बहस के तीन नए कानून लेकर आने का एक और उदाहरण है। दीर्घावधि में, तीन कानूनों को संविधान और आपराधिक न्यायशास्त्र के आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप लाने के लिए उनमें और बदलाव किए जाने चाहिए। चिदंबरम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,तथाकथित नए कानूनों का 90-99 फीसदी अंश कांट-छांट करने, नकल करने और इधर से उधर चिपकाने का काम है। यह काम मौजूदा तीन कानूनों में कुछ बदलाव करके किया जा सकता था, लेकिन यह व्यर्थ कवायद बना दी गई।

नए कानूनों में सुधार का स्वागत

उन्होंने कहा, हां, नए कानूनों में कुछ सुधार किए गए हैं और हम उनका स्वागत करते हैं। उन्हें संशोधन के रूप में पेश किया जा सकता था। दूसरी ओर, कई प्रतिगामी प्रावधान भी है। कुछ बदलाव प्रथम दृष्टया असंवैधानिक हैं।

कर्नाटक: CM-डिप्टी CM पद पर खींचतान

आलाकमान के फैसले का पालन होगा: सिद्धारमैया

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक में सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सियासी खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि वह नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। वोक्कालिगा समुदाय के एक संत ने पिछले हफ्ते सार्वजनिक रूप से सिद्धारमैया से पद छोड़ने और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए रास्ता खाली करने का अनुरोध किया था।

विश्व वोक्कालिगा महासंस्थान मठ के संत चंद्रशेखर स्वामी की अपील के बारे में सिद्धारमैया ने कहा, यह ऐसा मामला नहीं है जिस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की जाए। आलाकमान जो भी फैसला लेगा, हम उसका पालन करेंगे। उन्होंने कहा, स्वामीजी क्या कहते हैं, मैं उस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। हमारी राष्ट्रीय पार्टी है। एक आलाकमान है।

कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे: शिवकुमार

उप मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा, मैं उन लोगों को कारण बताओ नोटिस जारी कर रहा हूं, जिन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री से जुड़े बयान दिए हैं। इंतजार कीजिए और देखिए मैं किसे नोटिस जारी करने जा रहा हूं।

सड़कों पर समस्या का समाधान नहीं: प्रियांक

इस बीच, राज्य में उप मुख्यमंत्री की मांग पर कांग्रेस विधायक प्रियांक खरगे ने कहाआप मुख्यमंत्री पद के लिए भी दावा कर सकते हैं। कोई भी इससे इनकार नहीं कर रहा है। हमारी पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र है। लेकिन दावा सही मंच पर किया जाना चाहिए। मीडिया में आने और दावा करने का क्या मतलब है? वे आलाकमान के पास जा सकते हैं और इसके बारे में बोल सकते हैं। मुझे भरोसा कि उनकी जो भी समस्याएं हैं, उनका समाधान किया जाएगा। लेकिन अगर आप सड़कों पर ऐसा करने जा रहे हैं, तो कोई भी इसकी परवाह नहीं करेगा।

पश्चिम बंगाल: युगल की सरेआम पिटाई का मामला

NHRC ने DGP-मुख्य सचिव से मांगा जवाब

एजेंसी | नई दिल्ली / कोलकाता

पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर जिले में कथित अवैध संबंध के आरोपी युगल की पिटाई के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने कहा है कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक और राज्य सरकार के मुख्य सचिव से एक हफ्ते के भीतर जवाब मांगा गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए एक टीम भेजने का फैसला लिया गया है। आयोग ने कहा कि दिनदहाड़े युगल को बेरहमी से पीटे जाने की घटना से ऐसा लगता है कि राज्य के संबंधित अधिकारियों ने पिछले

कुछ समय में हुई ऐसी ही जघन्य घटनाओं से सबक नहीं सीखा है। आयोग ने यह भी कहा कि एनएचआरसी पहले भी ऐसी गंभीर घटनाओं को लेकर चिंता का इजहार कर चुका है।

मुख्य आरोपी गिरफ्तार

चोपड़ा विधानसभा क्षेत्र में हुई इस वारदात के मामले में इस्लामपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) जॉबी थॉमस ने कहा, पुलिस ने इस वारदात में शामिल लोगों की पहचान कर ली है। मुख्य आरोपी को तत्काल गिरफ्तार भी कर लिया गया। उन्होंने कहा कि रविवार को हमने एक वीडियो देखा जिसमें एक व्यक्ति महिला की पिटाई कर रहा था। जहां पिटाई हो रही है, वहां आम लोगों की भीड़ भी देखी जा सकती है। पूछताछ के बाद पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। थॉमस के अनुसार पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के अनुसार मामला दर्ज किया है। आगे की जांच चल रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि महिला / युगल की पिटाई के मामले में और कौन से लोग शामिल हैं।

द्रमुक के मुखपत्र में तीखी टिप्पणी

नीट करोड़ों रुपए कमाने वाला उद्योग

एजेंसी | चेन्नई

सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सोमवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को एक उद्योग करार दिया और आरोप लगाया कि इसे कोचिंग सेंटरों के 'कल्याण' के लिए बनाया गया और इन्होंने कई करोड़ रुपए कमाए है। द्रमुक ने कहा कि तमिलनाडु इससे पर्दा हटाने वाला पहला राज्य है और राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पार्टियां इस परीक्षा के लिए खिलाफ अपनी आवाज उठा रही हैं। द्रमुक के तमिल मुखपत्र 'मुरासोली' में नीट-स्नातक में अनियमितताओं के संबंध में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा छापेमारी और कई लोगों

की गिरफ्तारी किए जाने की ओर इशारा करते हुए कहा कि भाजपा की सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने खुद अनियमितताओं को लेकर प्रस्ताव पारित किया है। भारत के प्रमुख दलों ने नीट के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है। द्रमुक नीट अनियमितताओं को लेकर संसद के दोनों सदनों में बहस के पक्ष में है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए।

नीट को बताया धोखाधड़ी

समाचार पत्र ने कहा कि तमिलनाडु ऐसा पहला राज्य है जिसने कहा कि नीट धोखाधड़ी है। अब पूरा देश इसका समर्थन कर रहा है। जालसाजों को गिरफ्तार किया जा रहा है। ज्ञात रहे कि 28 जून, 2024 को तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव में राज्य को नीट से छूट देने और मेडिकल प्रवेश परीक्षा को पूरी तरह से खत्म करने का आग्रह किया गया था।

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा

संविधान है सब पर भारी, घमंडी बोलने वालों का घमंड टूट गया: खरगे

एजेंसी | नई दिल्ली

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि 2024 का चुनाव अहंकार तोड़ने वाला रहा। हमको घमंडी बोलते थे, लेकिन इनका घमंड टूट गया।

खरगे ने कहा,पीएम मोदी ने कहा था कि एक अकेला सब पर भारी, असल में संविधान सब पर भारी है। पिछली सरकार के 17 मंत्री हार गए। लोकतंत्र में अहंकार वाले नारों की कोई जगह नहीं। चुनाव ने दिखा दिया की देश का संविधान और जनता सब पर भारी है। खरगे ने सदन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान के दौरान यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में दलितों और अल्पसंख्यकों के लिए कुछ भी नहीं था। इससे पहले उन्होंने 1 जुलाई से ही लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने चुनावी रैलियों में धन के पुनर्वितरण, मंगलसूत्र, आरक्षण और मुजरा समेत अन्य मुद्दों पर कांग्रेस के खिलाफ मोदी की टिप्पणी को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा।

धनखड़ -खरगे की नोकझोंक पर खूब लगे ठहाके

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हाई-वोल्टेज बहस के बीच, सभापति जगदीप धनखड़ और वि खरगे ने सदन में अपने मजाकिया अंदाज से माहौल को हल्का कर दिया। दरअसल यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब खरगे ने कहा कि वे पैर में दर्द के कारण लंबे समय तक खड़े नहीं हो सकते। हालांकि, धनखड़ ने तुरंत जवाब दिया, आप बैठकर सदन को संबोधित कर सकते हैं। खरगे ने कहा कि वह तभी बैठेंगे जब सभापति अनुमति देंगे। धनखड़ ने जवाब दिया, हमें यह सुनिश्चित करना है कि आप सदन को संबोधित करते समय सहज हों। खरगे ने कहा कि बैठकर दिए गए भाषण में खड़े होकर दिए गए भाषण जैसा जोश नहीं होता। सभापति ने सहमति जताते हुए हंसते हुए कहा कि बैठकर दिए गए भाषण में कोई जज्बा नहीं होता। धनखड़ ने कहा, खरगे जी, मैंने इस मामले में आपकी मदद की है। मैंने आपका जज्बा जिंदा रखा है। खरगे ने भी मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, कभी-कभी आप हमारी मदद करते रहते हैं। दोनों के बीच इस मजाकिया बातचीत से राज्यसभा में ठहाके गूंजने लगे।

आम लोगों ने विपक्ष का साथ दिया

खरगे ने कहा, इस चुनाव में देखा गया कि एक बड़ा मुद्दा संविधान की रक्षा करना है। भाजपा ने कहा कि वह संविधान में संशोधन करेगी। लेकिन चुनावों ने साबित कर दिया कि मुद्दे आते रहते हैं और चलते रहते हैं लेकिन संविधान फलेगा-फूलेगा, लोकतंत्र बचेगा, चुनाव होते रहेंगे और हम भी यहां रहेंगे। उन्होंने कहा कि आम लोगों ने इस लड़ाई में विपक्ष का साथ दिया। उन्होंने संविधान की रक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया।

प्रतिमाओं के स्थानांतरण पर उठाया सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने संसद भवन परिसर में राष्ट्रीय नेताओं की प्रतिमाओं को स्थानांतरित करने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, कोई बैठक या पूर्व परामर्श नहीं हुआ। यह ऐसे किया गया जैसे कि अधिनायकवादी शासन में हो।

पेपर लीक से हजारों नीट उम्मीदवार प्रभावित हुए

खरगे ने कहा कि पेपर लीक से हजारों नीट उम्मीदवार प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि सरकार ने शुरू में किसी भी पेपर लीक से इनकार किया, फिर बाद में उन्होंने स्पष्टीकरण दिया और स्वीकार किया कि अनियमितताएं हुईं। उन्होंने अग्निपथ योजना को रद्द करने का भी आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति का कहना है कि हम मिलकर काम करेंगे। लेकिन शब्द केवल भाषण तक ही सीमित रहे हैं और कार्य में नहीं। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और विपक्ष को चुप कराने के प्रयास में प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो सहित केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर भी सरकार की आलोचना की।

जरूरी खबर

1.74 लाख करोड़ रुपए हुआ जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली। भारत का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जून, 2024 में 1.74 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। हालांकि, सरकार ने जीएसटी संग्रह डेटा के मासिक प्रकाशन पर रोक लगाई है। सूत्रों के अनुसार, इस वर्ष अप्रैल से जून में अब तक सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 5.57 लाख करोड़ रुपए रहा। कर संग्रह के मामले में इस वर्ष जून में मई के मुकाबले वृद्धि देखने को मिली है। आपको बता दें कि मई 2024 में कुल मिलाकर 1.73 लाख करोड़ रुपए का कर संग्रह किया गया था। यह वर्ष 2023 के जून महीने से 8 प्रतिशत अधिक था। जून 2024 में कुल कर संग्रह 1.61 लाख करोड़ था। रिपोर्ट में बताया गया है कि 39,586 करोड़ रुपए के एकीकृत जीएसटी को केंद्रीय जीएसटी के रूप में दिया गया। जबकि बचे हुए 33,548 करोड़ रुपए को राज्य जीएसटी के रूप में दिया गया।

ओएमआर शीट केस में सुनवाई दो सप्ताह बाद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विवादों में घिरे नीट-यूजी, 2024 में ओएमआर शीट में हेरफेर का आरोप लगाने वाली याचिका सोमवार को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए तय की। याचिका जस्टिस सीटी रविकुमार और जस्टिस मनोज मिश्रा की अवकाश पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। मेडिकल प्रवेश परीक्षा देने वाले याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि उसकी ओएमआर शीट बदल दी गई थी। पीठ ने वकील से कहा कि याचिकाकर्ता 23 जून को हुई दोबारा परीक्षा में शामिल होने की अनुमति मांग रहा है। पीठ ने कहा,परीक्षा (पुनः परीक्षा) 23 जून को समाप्त हो गई है।

असैन्य कैदियों की सूची का आदान-प्रदान किया

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे की जेलों में बंद असैन्य कैदियों और मछुआरे की सूची सोमवार को साझा की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत के निरंतर प्रयासों की बदौलत 2014 से अब तक 2639 भारतीय मछुआरों और 71 असैन्य कैदियों को को पाकिस्तान से वापस लाया गया है। बता दें कि दोनों देश 2008 के द्विपक्षीय समझौते के तहत वर्ष में दो बार एक जनवरी और एक जुलाई को इस तरह की सूची साझा करते हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत ने पाकिस्तान को अपनी जेलों में बंद 366 असैन्य कैदियों और 86 मछुआरों की सूची दी है।

राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात और संबोधन

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2022 के बैच के सहायक सचिवों के एक दल ने सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट की। इस मौके पर राष्ट्रपति ने उनको संबोधित भी किया।

केजरीवाल की याचिका पर आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली। कथित शराब घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगा। केजरीवाल की ओर से यह याचिका सोमवार को दाखिल की गई। हाईकोर्ट ने यह याचिका स्वीकार कर ली है। अरविंद केजरीवाल ने राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत के 26 जून के उस आदेश को भी चुनौती दी है। जिसके तहत उनको तीन दिन के लिए सीबीआई की रिमांड पर भेजा गया था। राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने 29 जून को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार मामले में 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

लोकसभा में राहुल के बयान पर हंगामा, माफी मांगने की मांग

खुद को हिंदू कहने वाले हिंसा व नफरत फैलाने में लगे हैं: राहुल

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की एक टिप्पणी पर बवाल हो गया। भाजपा ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और विरोध जताया है। राहुल गांधी ने कहा था कि 'खुद को हिंदू कहने वाले हर समय हिंसा और नफरत फैलाने' में लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह गंभीर मामला है कि राहुल गांधी पूरे हिंदू समाज को हिंसक कह रहे हैं, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य मंत्रियों ने कांग्रेस नेता से माफी मांगने की मांग की। हालांकि, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा में कहा, भाजपा, नरेन्द्र मोदी जी या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पूरा हिंदू समाज नहीं हैं। हम भी हिंदू हैं। बाद में केंद्र सरकार के कई मंत्रियों ने राहुल गांधी पर उनकी टिप्पणी को लेकर पलटवार किया। वहीं, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि वे हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते।

लगभग एक घंटे 42 मिनट के संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा राजग को आड़े हाथ लिया। राहुल के भाषण के अंशों पर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपत्ति दर्ज कराई। उनके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू और सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद और संसद के बाहर भी आपत्ति दर्ज कराई।

भगवान शिव की फोटो दिखाई, सत्ता पक्ष ने जताया विरोध

दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लगभग एक घंटे 42 मिनट के संबोधन में भाजपा नीत राजग को आड़े हाथ लिया। उन्होंने भगवान शिव की अभयमुद्रा का भी जिक्र किया और उनका चित्र भी दिखाया। इस पर सत्ता पक्ष की तरफ से आपत्ति दर्ज कराई गई। स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल को तस्वीरें न दिखाने को कहा। राहुल ने कहा कि भगवान शिव, गुरु नानक, ईसा मसीह, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर ने पूरी दुनिया को अभयमुद्रा का संकेत दिया। वे कहते थे कि डरो मत, डराओ मत। शिवजी कहते हैं डरो मत, डराओ मत। वह अहिंसा की बात करते हैं। लेकिन जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं, वो 24 घंटे हिंसा, नफरत और असत्य की बात करते हैं। इस पर सत्तापक्ष के सदस्य अपने स्थान पर खड़े होकर जोरदार तरीके से विरोध जताने लगे। राहुल ने कहा, आप हिंदू हैं ही नहीं। हिंदू धर्म में साफ लिखा है सत्य के साथ खड़ा होना चाहिए, सत्य से पीछे नहीं हटना चाहिए। ये इसलिए चिल्ला रहे हैं, क्योंकि तीर दिल में जाकर लगा है।

स्पीकर बिरला व राजनाथ सिंह पर निशाना साधा

राहुल गांधी ने स्पीकर ओम बिरला पर ही निजी हमला बोल दिया। उन्होंने कहा कि आप जब पीएम नरेंद्र मोदी से हाथ मिलाते हैं तो झुक जाते हैं, लेकिन मुझसे मिलने के दौरान सीना तानकर खड़े होते हैं। लोकसभा के स्पीकर को निष्पक्ष होना चाहिए। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने जवाब दिया कि मेरे संस्कार सिखाते हैं कि बड़ों के आगे झुककर बात करनी चाहिए और समान उम्र के लोगों के साथ बराबर का व्यवहार रखना चाहिए। स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री सदन के नेता हैं। बिरला के जवाब पर भी राहुल गांधी चुप नहीं हुए। उन्होंने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री बड़े हैं, लेकिन लोकसभा में आप स्पीकर हैं। मैं और पूरा विपक्ष आपके आगे झुकेगा। इसका सत्ता पक्ष के सांसदों ने विरोध जताया।

मोदी के सामने मुझसे बात करने से डरते हैं राजनाथ सिंह

राहुल गांधी ने कहा कि सुबह राजनाथ सिंह जी मिले थे और उन्होंने मुस्कुरा कर मेरा हालचाल लिया। अब जब सदन में बैठे हैं तो गंभीर हैं। ऐसा इसलिए कि नरेंद्र मोदी के आगे मुझसे बात करने से डरते हैं। ऐसा ही हाल नितिन गडकरी जी का भी है। राहुल गांधी ने कहा कि ये लोग पूरे देश में डर फैलाते हैं और पार्टी के अंदर भी इन्होंने डर कायम कर रखा है।

इन टिप्पणियों पर भी हुआ टकराव

अग्निवीर को न पेंशन ना मुआवजा: राहुल गांधी

राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने हाल ही में अग्निवीर अजय सिंह के परिवार से बात की। वह जनवरी में जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एक लैंडमाइन विस्फोट में शहीद हो गया था। राहुल बोले, मैं उसे शहीद कह रहा हूं लेकिन नरेंद्र मोदी उसे अग्निवीर कहते हैं। उस घर को पेंशन नहीं मिलेगी। उस घर को मुआवजा नहीं मिलेगा, शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा। अग्निवीर, इस्तेमाल करो और फेंको (यूज एंड थ्रो) मजदूर है।'

राजनाथ का पलटवार: झूठ बोल रहे हैं राहुल

राहुल गांधी के के वार पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पलटवार किया। उन्होंने कहा 'राहुल गांधी झूठ बोलकर सदन को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि युद्ध के दौरान अथवा देश की सुरक्षा के दौरान अगर कोई अग्निवीर शहीद होता को केंद्र सरकार द्वारा एक करोड़ रुपए की धनराशि उसके परिवार की सहायता के रूप में दी जाती है।

राहुल के बयान पर जताई नाराजगी

हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण: RRS

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की टिप्पणी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नाराजगी जताई है। संघ ने कहा है कि हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकसभा में अपने भाषण के दौरान राहुल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी नाम लिया था।

आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी सुनील अंबेकर ने कहा, महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोगों द्वारा हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि चाहे वह स्वामी विवेकानंद का हिंदुत्व हो या महात्मा गांधी का, यह सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। बता दें कि अंबेकर आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार विभाग के प्रमुख हैं। दूसरी ओर धर्माचार्यों ने भी राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताई है। उन्होंने राहुल को सभी धर्मों के बारे में पढ़ने की नसीहत दी है। स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा, हिंदू सभी में भगवान को देखते हैं, हिंदू अहिंसक और उदार हैं। हिंदू कहते हैं कि पूरा विश्व उनका परिवार है और उन्हें हमेशा सभी के कल्याण, खुशी और सम्मान के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। हिंदुओं को हिंसक कहना या यह कहना कि वे नफरत फैलाते हैं, सही नहीं है।

हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते राहुल: प्रियंका

दूसरी ओर राहुल गांधी की बहन व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उनका बचाव करते हुए कहा कि मेरे भाई कभी भी हिंदुओं का अपमान नहीं करेंगे। उन्होंने भाजपा नेताओं के बारे में साफतौर पर बात की है।

राहुल अपना बयान सही करें: चिश्ती

ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के चेयरमैन सैयद नसरुद्दीन चिश्ती ने कहा, राहुल गांधी ने कहा है कि इस्लाम में अभयमुद्रा भी है। इस्लाम में मूर्ति पूजा का कोई जिक्र नहीं है, न ही किसी तरह की मुद्रा है। मेरा मानना है कि राहुल गांधी को अपना बयान सही करना चाहिए।

ऐसी बातें कहकर आप पूरे समाज को अपमानित कर रहे हैं।

बिहार में गुरुद्वारा पटना साहिब के अध्यक्ष जगजोत सिंह ने कहा, जिस तरह से राहुल गांधी ने सदन के सामने धर्मों को लेकर तथ्य पेश किए, मेरे हिसाब से उन्हें सही जानकारी नहीं है।

मौसम विभाग ने दी खुशखबरी

इस माह जमकर बारिश

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से सोमवार को बड़ी खुशखबरी दी गई। इसमें कहा गया कि पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश में जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है। हालांकि जून में देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश औसत से कम रही। वहीं उत्तर-पश्चिम भारत में 1901 के बाद बीते महीने जून में 31.73 डिग्री सेल्सियस के औसत तापमान दर्ज हुआ, जो कि सबसे गर्म रहा। यहां मासिक औसत अधिकतम तापमान 38.02 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.96 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा, पूरे देश में जुलाई में औसत बारिश सामान्य से अधिक होने की संभावना है। लंबी अवधि में होने वाली औसत बरसात 28.04 सेमी से यह 106 प्रतिशत से अधिक होगी। देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है। हालांकि, उत्तर-पूर्व भारत के कई हिस्सों और उत्तर-पश्चिम, पूर्व व दक्षिण-पूर्व प्रायद्वीपीय के कुछ इलाके यहां अपवाद हो सकते हैं।

जून में 11 फीसदी कम हुई बारिश

अलग-अलग कारणों से बदल रहे मौसम और अचानक होने वाली बारिश के बावजूद जून, 2024 में सामान्य से कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार जून में 11 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। इस दौरान औसतन 165.3 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस साल केवल 147.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। 2001 के बाद यह सातवीं सबसे कम बारिश वाला महीना रहा। बीते पांच साल में कभी भी जून में 11 फीसदी कम बारिश नहीं देखी गई। महापात्र ने कहा, देश में 11 जून से 27 जून तक सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई। उत्तर पश्चिम भारत में 33 प्रतिशत कम बारिश हुई, जबकि मध्य भारत में 14 फीसदी की गिरावट देखी गई। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में 13 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई। केवल दक्षिण भारत में ही 14 फीसदी अतिरिक्त बारिश दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि देश में 11 जून से 27 जून तक सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई। इसके कारण कुल मिलाकर सामान्य से कम बरसात दर्ज की गई।

सशस्त्र बलों की बढ़ेगी ताकत

भारत ने बनाया सबसे ताकतवर गैर-एटमी विस्फोटक

- ब्रह्मोस के पारंपरिक विस्फोटक से भी है अधिक घातक

एजेंसी | नई दिल्ली

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के प्रयासों में जुटे भारत ने ने दुनिया का सबसे शक्तिशाली गैर-परमाणु विस्फोटक बनाने में कामयाबी हासिल की है। यह विस्फोटक टीएनटी की तुलना में दोगुने से भी अधिक घातक है। इस विस्फोटक को सेबेक्स 2 (SEBEX 2) नाम दिया गया है। इसका सफल परीक्षण भी कर लिया है। नौसेना ने व्यापक परीक्षण करने के बाद इसके इस्तेमाल के लिए हां कह दी है। भारत में अभी इस्तेमाल किया जा रहा सबसे शक्तिशाली पारंपरिक विस्फोटक ब्रह्मोस मिसाइल के वारहेड में इस्तेमाल हो रहा है। नया विस्फोटक इससे भी घातक है। यह अब तक बने गैर परमाणु विस्फोटकों से 2.01 गुना ज्यादा घातक है। यह लगभग 1.50 टीएनटी का है। डेंटेक्स/टारपेक्स जैसे पारंपरिक विस्फोटक, जिनका उपयोग दुनिया भर में पारंपरिक वारहेड्स, हवाई बमों और कई अन्य गोला-बारूद में किया जाता है, उनकी टीएनटी तुल्यता 1.25-1.30 होती है।

नौसेना ने किया मूल्यांकन-परीक्षण

नौसेना ने सेबेक्स 2 का मूल्यांकन, परीक्षण और प्रमाणन रक्षा निर्यात संवर्धन योजना के तहत किया है। अधिकारियों ने कहा, विस्फोटक के विकास से इस्तेमाल में आने वाले हथियारों और गोला-बारूद की क्षमता एवं दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि फाइनल सर्टिफिकेशन पिछले सप्ताह पूरा हो गया था।

सशस्त्र बलों के लिए साबित होंगे गेमचेंजर

इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) ने 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत तेजी से पिघलने वाले विस्फोटक (एचएमएक्स) के कंपोजिशन के आधार पर सेबेक्स 2 को तैयार किया है। यह कंपोजिशन 'वॉरहेड्स की विनाशकारी क्षमता, हवा से गिराए जाने वाले बम, तोपखाने के गोले और अन्य युद्ध सामग्री की मारक क्षमता में बहुत इजाफा कर देगी। ईईएल एक अन्य वैरिएंट पर भी काम कर रहा है, जिसमें विस्फोटक शक्ति टीएनटी से 2.3 गुना अधिक होगी। ईईएल को विश्वास है कि यह छह महीने के भीतर तैयार हो जाएगा।

यह है विस्फोटकों के घातक होने का पैमाना

कोई विस्फोटक कितना घातक है, इसका आकलन टीएनटी के आधार पर किया जाता है। टीएनटी एक मानक है जिसके अनुसार तय होता है कि किसी विस्फोटक में कितनी तबाही करने की क्षमता है। इस पैमाने पर सेबेक्स 2 की क्षमता दोगुने से भी थोड़ा ज्यादा है। नई विधि से तैयार सेबेक्स 2 की खासियत यह है कि यह बिना वजन बढ़ाए बम, गोले की मारक क्षमता बढ़ाने में सक्षम है। इससे सशस्त्र बलों की मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

'एकात्मा' में सेवन ईयर्स ऑफ GST पुस्तक का विमोचन

सरकार के पास जब पैसा होगा तभी सुचारू चल सकेंगी सरकारी संस्थाएं

बेधड़क, जयपुर। जीएसटी के सात वर्ष पूर्ण होने पर 'सशक्त व्यापार-समग्र विकास' थीम पर जीएसटी दिवस पर कत्थक धरोहर संस्था नई दिल्ली द्वारा शास्त्रीय नृत्य 'एकात्मा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा ने शिरकत की। इस मौके पर एसीबी के महानिदेशक रविप्रकाश मेहरड़ा और मुख्य आयुक्त महेन्द्र रंगा मौजूद रहे। कार्यक्रम में जीएसटी पर आधारित सेवन इयर्स ऑफ जीएसटी नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि समाज को विकसित करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। तभी सरकारी संस्थाएं सुचारु रूप से चल सकती है, जब सरकार के पास पैसा होगा।

कलेक्शन में राजस्थान का बहुत अच्छा काम

जीएसटी आने के बाद राजस्थान ने कलेक्शन में बहुत अच्छा काम किया है। देश के विकास में जीएसटी ने अहम भूमिका निभाई है। जीएसटी से देश को एक किया गया है। पूर्व मे जब जीएसटी नहीं था, तब हर राज्य के अलग कर थे। राज्यों की सीमा पर ट्रकों की लम्बी लाइनें लगती थी, लेकिन एक देश एक कर के माध्यम से वह स्थिति अब नहीं रही। जीएसटी एक ऐतिहासिक कदम था जो देश को गति देने वाला था। कोई देश बुनियादी ढांचे के मद तभी खर्च कर सकता है, जब उसके पास धन हो। आप लोगों के कर से धन उपलब्ध होता है।

SHG उत्पाद मिलेंगे ऑनलाइन

बेधड़क. जयपुर। नाबार्ड की ओर से जवाहर कला केंद्र में चल रहे तीन दिवसीय मेला तरंग का समापन सोमवार को हुआ। मेले में प्रदेश के जिलों से आए एफपीओ, एसएसजी की महिलाओं ने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। नाबार्ड समर्थित किसान व महिला समूह, ग्रामीण उद्यमियों ने बंधेज, हैंडीक्राफ्ट, मधुबनी पेंटिंग, ऑर्गेनिक उत्पादों में कटहल मिलेट्स के उत्पाद गोधन के दिए एवं अगरबत्ती जुट बैग्स फाइल आदि विभिन्न प्रकार की आकर्षक वस्तुएं प्रदर्शित कीं। इस दौरान महिलाओं को इन उत्पादों को बनाने के ऑर्डर भी मिले हैं। ओएनडीसी व एसएफएसी के सहयोग से स्वयं सहायता समूह व एफपीओ के उत्पाद ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उत्पादों को ओएनडीसी की ट्रेनिंग के दौरान ऑन बोर्ड करने की प्रक्रिया पूर्ण की गई है।

संत राधाकिशन का देवलोकगमन

बेधड़क. जयपुर। निम्बार्क सम्प्रदाय के संत राधाकिशन दास महाराज का देवलोकगमन हो गया। उनका अंतिम संस्कार निम्बार्क परंपरा के अनुसार वृन्दावन स्थित गौतम मुनि आश्रम में मंगलवार को 10 बजे किया जाएगा। प्रमुख महंत सर्वेश्वरशरण महाराज सहित कई संत महात्मा अंतिम संस्कार के दौरान वृन्दावन में मौजूद रहेंगे।

नए कानूनों पर की चर्चा

बेधड़क. जयपुर। अधिवक्ताओं ने सोमवार को महाधिवक्ता से तीनों नए कानूनों पर चर्चा की। राजस्थान उच्च न्यायालय के अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत सिंह छाबा के कार्यालय में हुई इस चर्चा में गवर्नमेंट काउंसिल नीरज बत्रा व मीनाक्षी जैन, डिप्टी गवर्नमेंट काउंसिल आयुष माल व लोकेंद्र सिंह राव, अतिरिक्त गवर्नमेंट काउंसिल शरद जोशी और असिस्टेंट गवर्नमेंट काउंसिल मीनू वर्मा सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित थे। अधिवक्ता परिषद राजस्थान जयपुर प्रांत की उच्च व जिला न्यायालय इकाई में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

City इवेंट्स

लीडरशिप इवेंट ब्रेव स्पेस में जाएगी हर्षिता

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एंड गाइड जयपुर की रेंजर हर्षिता खरा 4 से 10 जुलाई तक भारत के डब्ल्यूएजीजीजीएस वर्ल्ड सेंटर पुणे महाराष्ट्र में होने वाले लीडरशिप इवेंट ब्रेव स्पेस 2024 में सहभागिता करेगी। हर्षिता खरा प्रियदर्शनी ओपन रेंजर टीम जयपुर की राज्य पुरस्कार से सम्मानित रेंजर है। हर्षिता सांगानेर जयपुर की रहने वाली है।

निमेष शर्मा को मिला सम्मान

बेधड़क. जयपुर। जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए निमेष शर्मा को सम्मानित किया गया। गुडविल डायग्नोज के निमेष शर्मा को जयपुर में हुए शुभ वेडिंग अवार्ड में ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर उनके साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

शिविर में 130 यूनिट रक्त एकत्र

बेधड़क. जयपुर। गो माता सेवार्थ ग्रुप के तत्वावधान में दुर्गापुरा गोशाला परिसर स्थित राजस्थान गो सेवा संघ के प्रधान कार्यालय में रक्तदान शिविर लगाया गया। अध्यक्ष पवन कुमार जैन ने बताया कि सोशल एंड ब्लड एड सोसाइटी, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में 130 युनिट रक्त एकत्र हुआ। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, राकेश गोदिका, अशोक जैन, गोपी अग्रवाल, भीमराज काकरवाल, कमल अग्रवाल, सतीश गोयल, हनुमान सोनी दिनेश अग्रवाल, नीरज बंसल सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर नि:शुल्क जांच एवं चिकित्सा शिविर का भी लोगों ने लाभ उठाया।

राजेंद्र जैन 'राजा' के म्यूजिक एलबम का विमोचन

'मेरी तहरीर' कहती है... दर्द पहलू में ना हो तो कलम कहां चलती है

बेधड़क | जयपुर

राजेंद्र जैन 'राजा' द्वारा लिखित 'मेरी तहरीर' म्यूजिक एलबम का विमोचन फेमस सिंगर डॉ. गौरव जैन सोगानी ने किया गया। इसमें संगीत पंडित रविशंकर भट्ट तैलंग व कुणाल शर्मा का है।

एलबम में राजेंद्र जैन 'राजा' द्वारा लिखित पांच खूबसूरत रूहानी गजलों को रवि भट्ट ,समता जैन गोदिका एवं पुनीत अग्रवाल ने दिलकश आवाज से सजाया है। गजलों के शौकीन और कद्रदानों को यह गजलें एक अलग ही सुकून का एहसास कराएंगी। एलबम का आगाज रवि भट्ट और समता जैन की गाई गजल 'तेरा तसब्बुर चांद सा लगे' से होती है। इसके बाद रवि भट्ट की आवाज में 'दर्द पहलू में ना हो तो कलम कहां चलती है', समता जैन और पुनीत अग्रवाल ने 'दिल ए नादा क्यूं किसी का इंतजार करता है', एक और गजल समता जैन की आवाज में 'जुनूने इश्क को अब क्या आयाम दूं' गजलें रखी गई हैं। इसके बाद गजल 'चंद कदम और चल तू' में है, जिसमें पुनीत अग्रवाल ने जादू बिखेरा है। सभी गायको ने गजलों को गहराई के साथ पेश किया है। इस मौके पर प्राचार्य कमलजीत यादव, प्रसिद्ध गायक डॉक्टर गौरव जैन और अन्य संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

जैन मंदिरों में हुए विशेष धार्मिक आयोजन

भगवान नेमिनाथ की अष्ट द्रव्य से पूजा, जन्म कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया

बेधड़क | जयपुर

जैन धर्म के इक्कीसवें तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक सोमवार को भक्ति भाव से मनाया गया। अभादिजैन परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि इस मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए। कोटखावदा ने बताया कि मंदिरों में मंत्रोच्चार से श्रीजी के अभिषेक के बाद शांतिधारा की गई। भगवान नमिनाथ की अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। जन्म कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया गया। तप कल्याणक श्लोक के पश्चात तप कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। भगवान नमिनाथ की महाआरती से समापन हुआ। अभादिजैन परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियों का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी, जनकपुरी के श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर सहित अन्य कई मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए।

सीए दिवस — आईसीएआई की जयपुर शाखा में ब्लड डोनेशन कैंप, हेल्थ चेकअप और एग्जीबिशन का आयोजन

रक्तदान का महत्व जाना, समाज सेवा का संकल्प लिया

बेधड़क | जयपुर

भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) के स्थापना दिवस सीए डे पर जयपुर शाखा में रक्तदान शिविर और निशुल्क मेडिकल हेल्थ चेकअप और आर्ट एंड क्राफ्ट एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। सेंट्रल काउंसिल मेंबर सीए प्रकाश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समीर जैन, न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय और विशिष्ट अतिथि डॉ. कृष्ण कांत पाठक, सचिव, वित्त (राजस्व) विभाग रहे। रीजनल काउंसिल मेंबर सीए अनिल कुमार यादव ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना और समाज में जागरूकता फैलाना था।

शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों की देखरेख में रक्तदान की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों को रक्तदान के महत्व और इसके लाभों के बारे में जानकारी दी गई। सभी ने सामाजिक कार्यों में भाग लेने का संकल्प लिया।

फोटो: पंकज शर्मा

1000 यूनिट ब्लड एकत्र

जयपुर शाखा के अध्यक्ष सीए नवीन शर्मा और सचिव सीए विजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि जयपुर के नामी ब्लड बैंकों के सहयोग से रक्तदान शिविर का संचालन किया गया, जिसमें लगभग 1000 यूनिट ब्लड एकत्र किया गया। आर्ट और क्राफ्ट एग्जीबिशन में सीए छात्रों व् सदस्यों ने पेंटिंग, स्केच, फोटोग्राफी, क्राफ्ट, और अन्य रचनात्मक गतिविधियों का प्रदर्शन किया। साथ ही सदस्यों एवं छात्रों ने नृत्य की प्रस्तुतियां दी।

मन की शांति से बढ़कर इस संसार में कोई भी संपत्ति नहीं है।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

जापान, अमेरिका और साउथ कोरिया को युद्ध अभ्यास के 48 घंटे के भीतर दिया करारा जवाब

किम जोंग ने फिर दाग दी मिसाइल

एजेंसी | सियोल

नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया के बीच एक बार फिर रिश्ते गरमा गए हैं। साउथ कोरिया, जापान और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास से नाखुश नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया पर सोमवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की। साउथ कोरिया की सेना ने जानकारी दी कि नॉर्थ कोरिया ने सोमवार को अपने ईस्ट कोस्ट (तट) से एक छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की।

गुस्साए नॉर्थ कोरिया ने यह कदम साउथ कोरिया की जापान और अमेरिका सेना के साथ हुई संयुक्त अभ्यास ड्रिल के बाद उठाया।

साउथ कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि मिसाइल को नॉर्थ कोरिया के दक्षिणपूर्वी शहर जांगयोन से सुबह 5.05 बजे लॉन्च किया गया। साथ ही कहा गया कि इस मिसाइल लॉन्च के 10 मिनट बाद एक और अज्ञात बैलिस्टिक मिसाइल का भी पता चला, जिसके बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि नॉर्थ कोरिया ने दो मिसाइल लॉन्च किए होंगे।

नॉर्थ कोरिया ने क्यों लॉन्च की मिसाइल!

नॉर्थ कोरिया साउथ कोरिया के साथ अमेरिका और जापान की सैन्य ड्रिल से गुस्से में था। इसके चलते नॉर्थ कोरिया ने इन तीनों देशों की इस ड्रिल को एशिया का नाटो भी कहा था। इस ड्रिल के दो दिन बाद ही गुस्साए नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया पर मिसाइल लॉन्च की। हाल के वर्षों में, तीनों देश (साउथ कोरिया, अमेरिका, जापान) नॉर्थ कोरिया के बढ़ते परमाणु खतरों और क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से बेहतर ढंग से निपटने के लिए अपनी संयुक्त सुरक्षा साझेदारी को बढ़ावा दे रहे हैं।

फ्रांस चुनाव

पहले दौर में पेन की जीत के बाद लेफ्ट फ्रंट मोर्चा बनाने में जुटा

सत्ता की दहलीज पर पहुंचे धुर दक्षिणपंथी

एजेंसी | पेरिस

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पहले दौरे के संसदीय चुनाव में हार गए हैं, वहीं, मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली (आरएन) ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, लेकिन फ्रांस की राजनीतिक पार्टियां मरीन पेन को सत्ता में आने से रोकने के लिए संयुक्त मोर्चा बनाने में जुट गई हैं। आरएन और उसके सहयोगी दलों ने पहले दौर के चुनाव में 33 प्रतिशत वोट के साथ जीत हासिल की है, जबकि वामपंथी गुट को 28 प्रतिशत वोट मिले हैं।

राष्ट्रपति मैक्रों के नेतृत्व वाली पार्टी को केवल 20 प्रतिशत वोट मिले। राष्ट्रपति मैक्रों के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है। मैक्रों ने पिछले महीने यूरोपीय संसद चुनाव में उनके नेतृत्व वाले मध्यमार्गी गठबंधन की हार के बाद अचानक संसदीय चुनाव की घोषणा की थी, क्योंकि उन पर नैतिक दबाव था।

हालांकि, अप्रवासी विरोधी, यूरोसेप्टिक आरएन पार्टी सरकार बना पाएगी या नहीं, यह अब इस बात पर निर्भर करेगा कि फ्रांस में सैकड़ों निर्वाचन क्षेत्रों में प्रमुख प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों के लिए रैली करके अन्य पार्टियां पेन को विफल में कितनी सफल हो पाती हैं। वामपंथी पार्टी न्यू पॉपुलर फ्रंट और मैक्रों के नेतृत्व वाले गठबंधन के नेताओं ने संकेत दिए हैं कि वे उन जिलों में अपने उम्मीदवारों को वापस ले लेंगे, जहां अगले रविवार के होने वाले दूसरे दौर के चुनाव में आरएन को हराने के लिए कोई अन्य उम्मीदवार बेहतर स्थिति में है।

हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि वे ऐसा समझौता कैसे लागू करेंगे, अगर वामपंथी उम्मीदवार न्यू पॉपुलर फ्रंट के प्रमुख सदस्यों में से एक जीन-ल्यूक मेलेनचॉन की फ्रांस अनबोड (एलएफआई) पार्टी से हो। उग्र वक्ता मेलेनचॉन फ्रांसीसी राजनीति में सबसे विभाजनकारी व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जो अपने बेलगाम टैक्स व खर्च प्रस्तावों और युद्ध की बयानबाजी से मतदाताओं को उत्साहित और भयभीत करते हैं।

फ्रांस में दो चरणों में होते हैं संसदीय चुनाव

फ्रांस में नेशनल असेंबली (संसद) की 577 सीटें हैं। देश में दो चरणों में संसदीय चुनाव होते हैं। दूसरे चरण का चुनाव सात जुलाई को होना है। अगर मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति मैक्रों के नेतृत्व वाले गठबंधन की हार होती है और नेशनल रैली को बहुमत मिलता है तो मैक्रों को विरोधी दल के पीएम के साथ करना होगा, लेकिन संसदीय चुनाव का उनके कार्यकाल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राष्ट्रपति के तौर पर मैक्रों का कार्यकाल 2027 तक है। वर्तमान में फ्रांस के प्रधानमंत्री गैब्रियल अट्टल हैं। 577 सदस्यों वाली संसद में बहुमत का आंकड़ा 289 है, वहीं पहले राउंड के चुनाव में 12.5 प्रतिशत से कम वोट पाने वाली पार्टियां दूसरे दौर से बाहर हो जाएंगी।

फ्रांस की राजधानी पेरिस में हाईवे पर हुआ हादसा

बिजली के तार से टकराया प्लेन, 3 मरे

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में एक प्राइवेट जेट बिजली की तार से टकरा गया, जिसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला भी शामिल है। यह हादसा नेशनल हाईवे A4 पर हुआ, जहां जेट ने क्रैश से आधे घंटे पहले ही उड़ान भरी थी।

प्लेन सेसना 172 मॉडल का है। पुलिस के मुताबिक, जेट का ऊपरी हिस्सा एक हाई वोल्टेज इलेक्ट्रिक पावर केबल से टकरा गया, जिसके बाद जेट में आग लग गई। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक रोक दिया गया। इसके रेस्क्यू टीम ने बचाव अभियान चलाया। बताया जा रहा है कि प्लेन उड़ा रहे पायलट को पिछले साल ही लाइसेंस मिला था। पायलट को महज 100 घंटे का जेट उड़ाने का अनुभव था। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने नाराजगी जाहिर की। एविएशन मिनिस्ट्री ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस साल अब तक दो प्राइवेट जेट A4 नेशनल हाईवे पर हादसे का शिकार हो चुके हैं।

इससे पहले भी स्थानीय अधिकारियों ने इस हाईवे से उड़ान भरने पर सवाल उठाए थे। छुट्टी का दिन होने के कारण हाईवे पर ज्यादा गाड़ियां थीं। हालांकि, गनीमत रही कि जेट सड़क पर चल रही किसी गाड़ी से नहीं टकराया।

वैज्ञानिकों ने खोजा नया एस्टेरॉयड

धरती को मिल गया 'नया चंद्रमा'

एजेंसी | वाशिंगटन

हमारा सौरमंडल हैरान करने वाले रहस्यों से भरा हुआ है। वैज्ञानिकों ने ऐसी ही आश्चर्यजनक खोज में एक एस्टेरॉयड का पता लगाया है, जो सूर्य के चारों ओर अपनी वार्षिक परिक्रमा में पृथ्वी के साथ-साथ चल रहा है। इस एस्टेरॉयड को 2023 FW13 नाम दिया गया है। वैज्ञानिकों ने एस्टेरॉयड को अर्द्ध-चंद्रमा या अर्द्ध-उपग्रह कहा है, क्योंकि यह चंद्रमा की तरह ही पृथ्वी के समान समय सीमा में सूर्य की परिक्रमा कर रहा है। हालांकि, ये पाया गया है कि एस्टेरॉयड पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का भी खिंचाव पड़ा है। 50 फीट (15 मीटर) व्यास का एस्टेरॉयड पृथ्वी से लगभग 1.4 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वैज्ञानिकों ने 28 मार्च, 2023 के पैन-स्टार्स सर्वे दूरबीन की मदद से एस्टेरॉयड को देखा था।

दूरबीन को हवाई द्वीप पर एक निष्क्रिय ज्वालामुखी के शीर्ष पर रखा गया था। कनाडा-फ्रांस-हवाई दूरबीन के साथ ही एरिजोना में दो ऑब्जर्वेटरी ने भी एस्टेरॉयड की उपस्थिति की पुष्टि की। एस्टेरॉयड को आधिकारिक तौर पर 1 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ में माइनर प्लैनेट सेंटर ने सूचीबद्ध किया था। हमारे सौरमंडल में नए चंद्रमा, ग्रहों के साथ-साथ अन्य खगोलीय वस्तुओं को नामित करने की जिम्मेदारी इसी संगठन पर है।

पृथ्वी से नहीं होगी टक्कर

वैज्ञानिकों के अनुसार, इस एस्टेरॉयड के सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षा में पृथ्वी के चारों ओर लगभग साल 3700 अनुसरण करने की संभावना है। कॉफिनेट ने कहा कि यह पृथ्वी का अब तक ज्ञात सबसे लंबा अर्द्ध उपग्रह प्रतीत होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि एस्टेरॉयड भले ही हमारे ग्रह के अपेक्षाकृत करीब मंडरा रहा है, लेकिन इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना नहीं है।

बरसों से लगा रहा चक्कर

खगोलशास्त्री एड्रियन कॉफिनेट ने एस्टेरॉयट के मार्ग की मैपिंग के लिए एक कक्षा सिम्युलेटर का उपयोग किया। इस कक्षा सिम्युलेटर को शौकिया खगोलशास्त्री टोनी डन ने विकसित किया था। मॉडल में एस्टेरॉयड 2023 FW13 को पृथ्वी के बराबर ही सूर्य के चारों ओर घूमते हुए देखा गया। एस्टेरॉयड धरती के चारों ओर चक्कर लगा रहा था, इसलिए कॉफिनेट ने इसे अर्द्ध-चंद्रमा के रूप में वर्गीकृत किया। वैज्ञानिकों के अनुसार, एस्टेरॉयड कम से कम 100 ईसा पूर्व से हमारे ग्रह के साथ चक्कर लगाता हुआ प्रतीत होता है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl